दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 212 मुरादाबाद, 22 November 2023 (Wednesday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

घर की दहलीज छोड़ संस्कारों की सीख देंगी चार बेटियां, आधुनिक चकाचौंध को छोड़कर अपनाया साध्वी बनने का रास्ता

बुंदेलखंड की बेटियां घर की दहलीज छोड़कर लोगों को संस्कारों की सीख देंगी। आधुनिक चकाचौंध को छोड़कर उन्होंने साध्वी बनने का मार्ग अपनाया है। 16 दिसंबर को कोलकाता में आर्यिका दीक्षा दी जाएगी। इन बेटियों ने लोगों को संस्कारों का पाठ पढ़ाने के लिए घर छोड़ दिया है।डिजिटल युग में युवाओं पर सोशल मीडिया का खुमार चढ़ा हुआ है। रील्स, मीम्स, लाइक, कमेंट और शेयर के दौर में युवा संस्कारों से विमुख हो रहे हैं। वहीं, बुंदेलखंड की बेटियां आधुनिक चकाचौंध से दूर दूसरों का जीवन संवारने निकल पड़ी हैं। इन बेटियों ने लोगों को संस्कारों का पाठ पढ़ाने के लिए घर छोड़ दिया है। जैन समाज के प्रतिष्ठित परिवारों की इन बेटियों को 16 दिसंबर को आर्यिका विशाश्री माताजी कोलकाता में आर्यिका दीक्षा प्रदान करेंगीं। बेटियां साध्वी बनकर जैन धर्म के सिद्धांत और नियमों का पालन करते हुए पूरे देश में संस्कारों का शंखनाद करेंगीं। इन दिनों इन बेटियों की जगह-जगह बिनौली यात्रा निकाली जा रही है। इस दौरान बेटियां गृहस्थावस्था में हुई भूलों की समाज से क्षमा याचना कर रही हैं। बीसीए कर चुकीं शिवा बनेंगी जैन साध्वी- ललितपुर के बानपुर निवासी महेंद्र नायक की बड़ी बेटी शिवा जैन आर्यिका माता विशाश्री से दीक्षा लेने जा रही हैं। शिवा दीदी के पिता महेंद्र नायक बताते हैं कि वर्ष 2011 में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज और आर्यिका विशाश्री माताजी ने बानपुर में पंचकल्याणक महोत्सव कराया था। इस दौरान शिवा दीदी माताजी के पास वैयावृत्ति (सेवा) करने जाती थीं। मां संध्या जैन बताती हैं कि शिवा दीदी ने टीकमगढ़ से बीसीए किया है। उनकी बचपन से ही धार्मिक कार्यों में रुचि थी। पिछले 11 साल से वह आर्यिका संघ में रहकर संयम की साधना कर रही हैं। शिवा दीदी की छोटी बहन सेजल जैन भी धार्मिक कार्यों में अग्रणी रहती हैं। आगमन के दौरान बढ़-चढ़कर सेवा करती थीं।

पेपर लीक कर लॉकर भरने वालों को लॉकअप में भेजने की गारंटी, कोटा में PM Modi ने कांग्रेस को घेरा

पीएम मोदी कोटा में विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे हैं जिस दौरान उन्होंने मौजूदा गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ही भ्रष्टाचार तुष्टिकरण महंगाई और भाई-भतीजावाद से छुटकारा दिला सकती है। मालूम हो कि राजस्थान में 25 दिसंबर को मतदान किया जाएगा और मतगणना 3 दिसंबर को अन्य चुनावी राज्यों के साथ की जाएगी।राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा पूरी ताकत से चुनावी प्रचार करने में जुटी हुई है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, केन्द्रीय मंत्री, यहां तक कि कई बार खुद पीएम मोदी राज्य का दौरा कर चुके हैं। पिछले कई दिनों से लगातार पीएम मोदी राज्य के अलग-अलग जिलों में पहुंचकर लोगों को संबोधित कर रहे हैं।इसी कड़ी में आज पीएम मोदी कोटा में विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे हैं, जिस दौरान उन्होंने मौजूदा गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा।

छू-मंतर हो जाएगी कांग्रेस

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा ही भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, महंगाई और भाई-भतीजावाद से छुटकारा दिला सकती है। उन्होंने कहा, राजस्थान की कांग्रेस सरकार का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। यहां जो जादूगर है, वो चाहे दुनिया भर के जादू कर ले, काला जादू कर ले, लेकिन राजस्थान की जनता के जादू की ताकत के सामने इस जादूगर की कोई ताकत नहीं चलेगी। इसलिए जादूगर के देखते-देखते 3 दिसंबर को यहां से कांग्रेस छू-मंतर हो जाएगी। उन्होंने कहा, राजस्थान में कांग्रेस सरकार को लेकर जिस तरह का घनघोर गुस्सा है, ऐसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। राजस्थान के युवा कांग्रेस से मुक्ति चाहते हैं। राजस्थान की महिलाएं, किसान, व्यापारी, कारोबारी, दुकानदार सब कांग्रेस से मुक्ति चाहते हैं। ये लोग कांग्रेस मुक्त भारत बनाने का नेतृत्व करने वाले लोग हैं।

गहलोत जी कोनी मिले वोट जी

विजय संकल्प सभा में पीएम मोदी ने कहा, पिछले 2-4 दिन में कुछ लोगों ने मुझे सोशल मीडिया पर बच्चों के कुछ वीडियो भेजे हैं। वीडियो में ये बच्चे कह रहे हैं कि गहलोत जी कोनी मिले वोट जी। ये साफ बता रहा है कि बच्चे भी अपना भविष्य कांग्रेस के हाथों में सुरक्षित नहीं देख रहे हैं। राजस्थान के लोगों ने कांग्रेस के राज में सिर्फ तबाही देखी है। कांग्रेस राजस्थान को फिर से बीमारू राज्य बनाना चाहती है। कांग्रेस के नेता सिर्फ अपनी तिजोरी भरने पर ध्यान दे रहे हैं, राजस्थान की जनता को वो लोग भूल गए हैं। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस ने चंबल रिवर फ्रंट में कैसे-कैसे घोटाले किए हैं, वो भी आप सबको पता है। लोगों पर दबाव बनाकर कांग्रेस ने जिन घंटो को जबरन खुलवाने की कोशिश की, उसने एक गरीब मजदूर और एक इंजीनियर का जीवन छीन लिया। आज लोग खुलकर आरोप लगा रहे हैं कि गहलोत सरकार 25 नवंबर को वोटिंग वाले दिन ये घंटा खुलवाने के दबाव डाल रही थी। राजस्थान में बनने वाली भाजपा सरकार न सिर्फ इस हादसे की जांच करवाएगी, बल्कि सबके लिए न्याय भी सुनिश्चित करेगी। पीएम मोदी ने कहा, सूरमाओं की इस धरा को कांग्रेस ने दंगाइयों का खुला मैदान बना दिया है। PFI एक आतंकी संगठन है, भारत सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, लेकिन कोटा में PFI का जुलूस निकलता है और कांग्रेस सरकार सोई हुई है। तुष्टिकरण की गुलाम कांग्रेस सरकार आतंक परस्तों से डरती है और राजस्थान का भला चाहने वालों पर कार्रवाई करती है। पैसे देकर वोट खरीद पहले भी चर्चाओं में रहे कांग्रेस के एक मंत्री की एक हरकत कल से पूरा देश और राजस्थान देख रहा है। कल एक माता-बहन को पैसे का लालच देकर ये उसका वोट खरीदने की कोशिश कर रहे थे। मैं उस बहन को बहुत धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने न सिर्फ वो पैसे लौटाए बल्कि कांग्रेस के इस दागी मंत्री और उसकी टोली को करारा जवाब भी दिया है। पेपर लीक को लेकर गहलोत सरकार पर पीएम मोदी ने प्रहार करते हुए कहा, कोटा शिक्षा की और युवाओं के लिए सपनों की भी नगरी है। देश भर के युवा यहां पढ़ने आते हैं। कोटा से बेहतर कौन जानता है कि सपनों का क्या मतलब होता है, लेकिन कांग्रेस ने पिछले 5 साल में बार-बार राजस्थान के युवाओं के सपनों को तोड़ा है। ऐसी कोई परीक्षा या पेपर नहीं, जो कांग्रेस ने बेचा नहीं।

राष्ट्रीय प्रोजेक्ट प्रभावित और विज्ञापनों पर पैसा खर्च हो रहा, सुप्रीम कोर्ट की दिल्ली सरकार को फटकार

पीठ ने कहा कि दिल्ली सरकार के बजट आवंटन में बीते तीन वर्षों में करीब 1100 करोड़ रुपये विज्ञापन के लिए आवंटित किए गए हैं। मौजूदा वित्तीय वर्ष में भी यह आवंटन 550 करोड़ रुपये है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार रीजनल रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम परियोजना के लिए फंड आवंटित करने का वादा करने के बाद भी फंड आवंटित नहीं कर रही है। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि दिल्ली सरकार कोर्ट के आदेश का पालन क्यों नहीं कर रही है? हम आपको विज्ञापन के बजट पर रोक लगा देंगे और इसे आरआरटीएस परियोजना के लिए डायवर्ट कर देंगे। क्या कहा सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धुलिया ने माना कि दिल्ली सरकार अपने ही वादे का उल्लंघन कर रही है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार के स्टैंड पर नाराजगी जाहिर करते हुए कोर्ट ने दिल्ली सरकार के विज्ञापन के खर्च को परियोजना के लिए ट्रांसफर करने का आदेश दिया। हालांकि कोर्ट ने कहा कि उनका यह आदेश एक हफ्ते तक लंबित रहेगा और अगर इस दौरान सरकार ने बजट आवंटित नहीं किया तो उनका यह आदेश लागू हो जाएगा।

विज्ञापन बजट को लेकर दिल्ली सरकार को लगाई फटकार

पीठ ने कहा अप्रैल में दिल्ली सरकार ने रकम (415 करोड़) देने की बात कही थी। पीठ ने गौर किया कि आरआरटीएस परियोजना से दिल्ली में प्रदूषण भी कम होगा। पीठ ने कहा कि दिल्ली सरकार के बजट आवंटन में बीते तीन वर्षों में करीब 1100 करोड़ रुपये विज्ञापन के लिए आवंटित किए गए हैं। मौजूदा वित्तीय वर्ष में भी यह आवंटन 550 करोड़ रुपये है। पीठ ने कहा कि बजटीय आवंटन ऐसी चीज है जिसे सरकार को पूरा करना चाहिए। लेकिन अगर राष्ट्रीय परियोजनाएं प्रभावित होंगी और उसकी बजाय विज्ञापन पर खर्च की जाएंगी तो हमें विज्ञापन के फंड को प्रोजेक्ट के लिए ट्रांसफर करना होगा।

NCRTC ने दायर की दिल्ली सरकार के खिलाफ याचिका

दिल्ली सरकार की तरफ से कोर्ट में पेश हुईं वरिष्ठ वकील मीनाक्षी अरोड़ा ने एक हफ्ते का समय मांगा। इसके बाद कोर्ट ने मामले को एक हफ्ते बाद के लिए सूचीबद्ध कर दिया और कहा कि अगर फंड आवंटित नहीं किया गया तो उनका आदेश लागू हो जाएगा। बता दें कि नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉपरेशन ने दिल्ली सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें दिल्ली सरकार पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दिल्ली सरकार की खिंचाई की।

गुरमीत सिंह फिर आया जेल से बाहर, यूपी के इस जिले में रहेगा; सुनारिया जेल से 21 दिन की मिली फरलो

साध्वी के साथ दुष्कर्म पत्रकार और पूर्व डेरा प्रबंधक हत्याकांड मामले में सुनारिया जेल में सजा काट रहा गुरमीत सिंह मंगलवार को आठवीं बार जेल से बाहर आया। 21 दिन की फरलो मंजूर होने के बाद सुनारिया जेल से उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में बरनवाला आश्रम के लिए रवाना हो गया। इस दौरान उसके साथ सुरक्षाकर्मी भी मौजूद रहे। इसके अलावा चप्पे - चप्पे पर पुलिस बल मौजूद रहा। गुरमीत सिंह फिर आया जेल से बाहर कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच जेल से निकला बाहर 2017 से सुनारिया जेल में बंद साध्वी दुष्कर्म मामले में बीस वर्ष की मिली है सजा नौवीं बार गुरमीत सिंह जेल से आया बाहर साध्वी दुष्कर्म, पत्रकार और पूर्व डेरा प्रबंधक हत्याकांड के मामले में सुनारिया जेल में सजा काट रहा गुरमीत सिंह मंगलवार को आठवीं बार जेल से बाहर निकला। 21 दिन की फरलो मंजूर होने के बाद सुनारिया जेल से उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में बरनवाला आश्रम के लिए रवाना हुआ। कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच जेल से आया बाहर- मुंहबोली बेटी हनीप्रीत इसां और उसके अधिवक्ता दो गाड़ियों में जिला जेल के बाहर पहुंचे। कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच गुरमीत सिंह की तीन गाड़ियों का

काफिला तेज गति से परिसर से निकला। किसी प्रकार की घटना न हो, इसके लिए जेल परिसर से लेकर हाईवे तक पुलिस के जवान तैनात थे।इसी गाड़ी में गुरमीत सिंह मौजूद जेल में बंदियों से होने वाली मुलाकात रद्द -मीडिया कर्मियों को भी जेल परिसर के आसपास नहीं जाने दिया।

आइआइएम रोहतक के समीप नाके पर ही मीडिया कर्मियों को रोका गया था। जेल में कैदी व बंदियों से स्वजनों की मुलाकात भी नहीं होने दी।2017 से सुनारिया जेल में बंद डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह साध्वी यौन उत्पीड़न मामले में अगस्त 2017 से सुनारिया जेल में बंद है। इसके बाद दो अलग-अलग हत्याकांड में गुरमीत सिंह को सजा आजीवन कैद की सजा सुनाई जा चुकी है।सड़क के दोनों ओर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की मौजूदगी पंचकूला की सीबीआइ की विशेष अदालत ने 25 अगस्त 2017 को दोषी करार दिया था। इसी दिन हेलीकॉप्टर से उसे रोहतक की सुनारिया जेल में भेज दिया। साध्वी दुष्कर्म मामले में बीस वर्ष की सजा- दो दिन बाद सुनारिया जेल में ही अदालत लगातर उसे साध्वी दुष्कर्म मामले में बीस वर्ष की सजा सुनाई गई थी। इसी दिन से सुनारिया जेल में सजा काट रहा है। पहली बार 24 अक्टूबर को गुरमीत सिंह 24 घंटे की सीक्रेट पैरोल पर बाहर निकाला गया था।पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नौवीं बार गुरमीत सिंह जेल से आया बाहर- इसके बाद 21 जून को मां से मिलने के लिए 48 घंटे की कस्टडी दी। सात फरवरी 2021 को 21 दिन की पैरोल दी गई थी। मंगलवार को नौवीं बार गुरमीत सिंह जेल से बाहर निकाला गया है।

रामलला की नगरी में जय श्रीराम के उद्घोष के साथ शुरू हुई 14 कोसी परिक्रमा में उमड़ा आस्था का सैलाब

अयोध्या में रात्रि के तीसरे पहर दो बजकर नौ मिनट से 14 कोसी परिक्रमा शुरू हुई तो सड़कों पर आस्था और विश्वास का सैलाब नजर आया। लाखों की संख्या में पहुंचे भक्तों ने सोमवार शाम से ही डेरा जमा लिया था। सुबह तीन बजे सड़कों पर मेला जैसा नजारा दिखा। जिला प्रशासन का दावा है कि श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। जय श्रीराम के जयघोष के साथ राजा राम की नगरी में 14 कोसी परिक्रमा रात्रि के तीसरे पहर दो बजकर नौ मिनट से शुरू हुई। परिक्रमा के प्रारंभिक स्थल नाका मुजफरा स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर की मिट्टी को माथे पर लगा श्रद्धालुओं ने परिक्रमा शुरू की। परिक्रमा मार्ग पर सिर पर आस्था की गठरी लिए नंगे पांव श्रद्धालुओं का सैलाब नजर आया।लाखों की भीड़ का अनुमान लगा प्रशासन सुरक्षा और मेला व्यवस्था के लिए पूरी तरह से सतर्क रहा। परिक्रमा मार्ग पर ड्रोन कैमरे से निगरानी की जाएगी। महत्वपूर्ण स्थलों पर हर कोई सीसीटीवी कैमरे की जद में रहा। डीएम नीतीश कुमार के मुताबिक श्रद्धालु नंगे पांव परिक्रमा करेगें, इसलिए परिक्रमा मार्ग पर जगह-जगह बालू डालकर इसे आरामदेह बनाने की कोशिश भी की गई है।परिक्रमार्थियों का उल्लास सोमवार को दिन ढलने के साथ ही छलकने लगा था। कुछ तो पहले ही रामनगरी की परिधि पर स्थित गुप्तारघाट, लक्ष्मणघाट, संत तुलसीदासघाट, सूर्यकुंड, गिरिजाकुंड, नाका हनुमानगढ़ी जैसे उन स्थलों पर डट गए, जहां से परिक्रमा शुरू होती है, जबकि रामनगरी से जुड़ने वाले विभिन्न मार्गों सहित होटल, धर्मशाला, मंदिर, सार्वजनिक स्थल, रेलवे और बस स्टेशन से भी परिक्रमा से जुड़ी गहमागहमी शिखर की ओर है। रामजन्मभूमि पर निर्मित हो रहे भव्य मंदिर में 22 जनवरी को रामलला के विग्रह की स्थापना और रामनगरी को श्रेष्ठतम सांस्कृतिक नगरी बनाए जाने की संभावनाओं और प्रतीक्षा के बीच पूर्व बेला से ही परिक्रमार्थियों का उल्लास सातवें आसमान पर है। 21 नवंबर को रात्रि के तीसरे पहर दो बज कर नौ मिनट से शुरू हुई 14 कोसी परिक्रमा का मुहूर्त मंगलवार को रात 11:38 बजे तक है। यानी रामनगरी मंगलवार को पूरे दिन से लेकर मध्य रात्रि तक परिक्रमार्थियों की आस्था से अभिषिक्त रहेगी। राम भक्तों की विशेष चिंता करने वाली सरकार ने प्रशासन को मेला की तैयारी के विशेष निर्देश दिए थे। प्रशासन भी सुरक्षा, सफाई व मूलभूत संसाधन उपलब्ध करा रहा है। जिला प्रशासन का दावा है कि श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। 14 कोसी परिक्रमा में श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा की समुचित व्यवस्था के साथ सफाई के बीच परिक्रमा हो, योगी सरकार का इस पर भी विशेष फोकस है। सरकार की मंशानुरूप प्रशासन पूरी तरह मुश्तैद है। मंगलवार रात्रि 2:00 बजे से अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा शुरू हुई 21 नवंबर की रात 11:38 तक चलेगी। यहां पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं ने रामनाम संकीर्तन और लोक गीतों के साथ परिक्रमा करते हैं। ड्रोन कैमरे की देखरेख में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए है।

संपादकीय Editorial

Guarantees or securities

Prime Minister Modi has also distributed a lot of 'guarantees' in the ongoing assembly elections. He has also assured that his guarantees mean that the work will definitely be done. Congress had made a political experiment of 'guarantee' in the elections of Himachal and Karnataka, which was successful. The Prime Minister also seems to be influenced by them, hence such guarantees are mentioned in the BJP manifesto.

The Prime Minister himself has tried to reassure voters, especially women, through 'Modi's Guarantee' in many election rallies. Some guarantees are worth noting. Under the 'Pradhanmantri Kisan Samman Nidhi Yojana', Rs 6000 is deposited annually in the farmers' bank accounts. 15 installments have been distributed among 8-10 crore such farmers. Despite this, it has been promised in the BJP manifesto that Rs 12,000 will be deposited annually in the accounts of farmers. In the context of farmers, it is noteworthy that the Central Agricultural Price Commission had declared the Minimum Support Price (MSP) of wheat and paddy as Rs 2275 and Rs 2200 per quintal respectively, but in the BJP manifestos of Rajasthan and Madhya Pradesh, the minimum support price (MSP) of wheat and paddy was Rs 2700 and Rs 3100.

An assurance of giving Rs. Will the MSP of the Center or the State be applicable? How much can state governments purchase? Apart from farmers, is there no other class or community who is in dire need of such 'guarantees'? BJP has also announced to give 'Scooty' to the students. It is noteworthy that Prime Minister Modi himself had made public announcements to extend the 'Free Grain Scheme' for 5 more years, i.e. till 2028, but the 'Print Information Bureau' of the Government of India has issued a release that 'Prime Minister Garib 'Kalyan Anna Yojana' has been extended for one year.

What is the truth of this paradox? The Prime Minister himself should clarify this from a public platform. Congress has also given a lot of 'guarantees'. His assurance is that if governments are formed, then free electricity up to 100 units, 200 units in any state, loan waiver of farmers up to Rs 2 lakh, monthly unemployment allowance of Rs 3000, Rs 15,000 annually to the female head of the household, one lakh government jobs. There is a long list of 2.5 lakh government jobs in Chhattisgarh in two years and Rajasthan in five years, free health scheme etc. The unresolved question is what should be considered a 'guarantee' or what is a 'freebie'?

Are both not in the national interest? Then what is the definition of 'welfare state'? Is it not the responsibility of the government to provide social security? There are many questions. Expressing concern and concern many times, Prime Minister Modi has warned the state governments that these 'freebies' can spoil the country's economy. The debt burden on state governments is already very high, but questions are also raised on the Prime Minister and his party BJP. Are their 'guarantees' developmental? If the 'free grain' scheme continues for 5 more years, an additional burden of Rs 2 lakh crore annually will fall on the government exchequer. Obviously the economy will also be affected, because the thinking of the present government is anti-unnecessary subsidy.

Right now the assembly elections are going on, but the general elections, i.e. Lok Sabha elections, are also not far away. Those elections will also be at their 'peak' in about four months. There will be a situation of great conflict between the two national parties on 'guarantees or promises'. Fiscal deficit and other fiscal anomalies are not expected from the Modi government.

Defeat in cricket: Media also needs deep introspection

The kind of fierce hype and frenzy that was tried to be created in the media, especially the electronic-social media, regarding India's victory in the entire World Cup tournament and especially before the final, may have increased their TRP and hits, but it was so negative on the Indian cricket team. Pressure built up. Australia became champion for the sixth time in the ICC ODI World Cup tournament. Far from avenging the twenty-year-old defeat in the finals, the Indian team could not even show its natural game, for which it was known for its invincibility till the semi-finals. But the final match which was going to be held between the number one and number two teams of the tournament, turned into the reverse by the time the results came. Analysis of the reasons for the defeat of the Indian team has started and will continue in the future also. But the kind of huge hype and frenzy that was tried to be created in the media and especially in the electronic-social media regarding India's victory in the entire World Cup tournament and especially before the finals, may have increased their TRP and hits, but the Indian cricket team is not so much affected by it. There was so much negative pressure that he could not play properly in the final. This is also important because in the final match, India lost not by just two-four runs or one-two wickets, but by six wickets. During the entire match, there was no feeling that the Indian team had given its all to win the World Cup trophy. The entire match seemed almost one-sided. What was India's alternative strategy to win the match after losing the toss, was also not visible. It felt as if in the final decisive match of the tournament, the batsmen were dependent on the bowlers and the bowlers were dependent on the batsmen and the players were left to their own devices in terms of fielding. Of course, the grief of suddenly snatching away the World Cup trophy that almost came to their hands will continue to haunt the Indian cricket team and cricket lovers for years. After this defeat, it was natural that the members of Team Rohit had tears in their eyes, because this single match had ruined the work done by the team till now. But the real question is whether the media hype that was being created across the country for four days about India's victory in this ODI Cricket World Cup, was how real and justified? Impact of market pressure is visible - It is true that in the era of marketism, the market aspect of every investment is seen first, but hardly anyone thinks about the negative impact it has on the basic factors related to the investment. Media is also included in this. Of course, the Indian cricket team made some strategic mistakes in the final, that is why they lost, but the reason behind the right decision of the team leadership and the players deviating from their natural game is also the artificial pressure to win at any cost, which was not needed at all. . The drums of victory could literally be played even after victory was achieved. I don't know how many times the members of the Indian ODI cricket team would have watched TV channels, how many times they would have clicked on social media, whether they would have even done so after the explosive victory over New Zealand in the semi-finals. What did not happen during this period? The houses of the players were searched by the family members, puja, havan and prayers were conducted. From the gate of Narendra Modi Stadium to the live coverage of the vehicles leaving the hotel where the players were staying, efforts were made to present every person wearing a blue jersey as the runner of the Indian team. The attitude of the TV anchors throughout the coverage was as if the parcel of the World Cup trophy has arrived in the name of the Indian captain, all that is required is online payment. The same question was being asked again and again to the old veteran players that who will win, The answer to which was also almost sponsored. Strange presentation of the media - A big news channel had even prepared to give the credit of the Indian team's victory to the Prime Minister, while some had taken the victory of the Cricket World Cup to become India's world guru and this A blueprint had also been prepared to explain the political equations of victory, unfortunately that did not happen. Some newspapers even termed this cricket match as 'religious war' and 'world victory' (despite the fact that only a dozen countries play cricket in the world and football is played in 195 countries, in which we are nowhere at the world level. are not). In almost every format of the media, the Indian team was being instigated to take revenge from Australia in the same way as revenge for the terrorist attack is talked about as a way to teach Pakistan a lesson. TV channels made every effort to ensure that the viewer's finger remains on the same button of the remote, which is the number of that channel. Social media was at the forefront in this matter. Some overzealous users even tried to prove how the Indian cricket team's victory in the World Cup has a direct connection with the ruling political party in Delhi. In this, the years were counted when India won the ICC tournament and which party was in power in Delhi at that time. Political ideology and power should have any direct relation with India's performance in cricket. In fact, creating this kind of frenzy and trying to live in a paradise of lies, ignoring the ground reality, is also a kind of collective mental illness. A glimpse of this was also seen in the final match when Virat Kohli was seen instigating the spectators to create more noise. A great player like Virat should have focused more on how our players play their natural game and how to get out of Australia's trap, rather than creating too much noise for the spectators. To provoke. This proved that our players are more focused on other things than the game and they trust other factors more than their own game for victory. The team became a victim of Fear of Failure - Psychoanalysts say that the Indian cricket team once again became a victim of 'Fear of Failure' (fear of defeat). In such a state of mind, a person's self-confidence begins to waver even while walking on the right path. The careless manner in which our batsmen lost their wickets, the fielders did very convenient fielding, although the bowling of the bowlers was flawless, but the mistake made by the leadership in the beginning in reading the wicket, the bowlers had no solution. . It was clearly visible that almost the entire team was playing under an invisible pressure, the players were making mistake after mistake and were wandering in the imaginary illusion of being world champions. It is also being said that luck had left India on the day of the final, but at least this much could have been done that the unnecessary and to some extent fatal 'hype' regarding the victory could have been stopped. Due to this heart-wrenching defeat of the cricket team, the media should introspect so much that it should limit its role to allowing the game to be played in the spirit of sports, and should not act as a fuel in turning it into war frenzy.

Politics: How true are the election promises...an opportunity to peek into the game of numbers

Voters are being wooed through promises during elections, whereas there is a need to stop and see how much of the previous election promises have been fulfilled. The list of promises made during the assembly elections has become quite long. Scooty for 12th pass, free education from KG to PG, minimum support price of Rs 2,700 or Rs 2,900 per quintal and additional arrangements for bonus will also be made.

But to what extent have the election promises made by the central government in the last ten years been fulfilled? Despite an effective leader like Narendra Modi and a government with full majority, it is necessary to settle the accounts of ten years. The game of numbers may continue to confuse the country, be it a global pandemic in the form of Corona or a period of economic recession, increasing violence at the domestic level in the north-eastern states, increasing border disputes or diplomatic relations with neighboring states, unemployment in the country.

Be it the increasing problem of agriculture or the increasing suicides of farmers – the Modi government has failed on every front. Even today the country is facing problems of agriculture, employment, economy, international relations and internal social disharmony. Agriculture, forestry and fishing accounted for 21 percent of gross domestic product (GDP) in 2004–05. In the last 18 years it has come down to about 16 percent. But the number of workforce in farms has not declined accordingly. Agriculture provides employment to about 55 percent of the workforce in the country. An estimated 26 crore people are working in this sector. That means about 55-57 percent of the population is dependent on agriculture, which has been in crisis for a long time during the Narendra Modi government. Despite all the claims of the Modi government, farmers are not getting remuneration for their farming, let alone remunerative prices. The problems of farmers have increased further due to the agricultural trade agreement signed during the G-20 Summit, because as per the trade agreement with the US, the government has reduced the import duty on many agricultural products and poultry products, which has helped farmers, especially in Jammu and Kashmir.

Apple growers of Kashmir and Himachal are in trouble. The country's 16 crore farmers have a loan of about Rs 21 lakh crore from all types of banks - that is, the loan per farmer is Rs 1.35 lakh. In the category of people engaged in agriculture sector, 10,881 people committed suicide in the year 2021. Of these, 5,318 were farmers and 5,563 were agricultural labourers. Of the 1,64,033 people who committed suicide in the country in the same year, 42,004 were daily wage laborers, while 4,246 were women. The United Nations has said that currently 23 crore people in India are living in poverty, the condition of some of whom is very bad. According to the report, from 2005-06 to 2015-16, 27.5 crore people came out of poverty in the country, while from 2015-16 to 2019-21, 14 crore people came out of poverty. UN data also shows the development gap between villages and cities.

21.2 percent of the people living in villages are poor, while in cities this figure is 5.5 percent. The promise of two crore jobs annually and the slogan of 'Acche Din' had brought the Narendra Modi government to power in 2014 and 2019. But the Center for Monitoring Indian Economy (CMIE) report said that around 1.1 crore jobs were lost in 2018 due to the side effects of 2016 demonetisation and 2017 GST rollout. According to India Spend analysis, of the 12 million people who enter the job market every year, only 47.5 lakh join the labor force. During the decade of the UPA government, 75 lakh jobs were created annually in the non-agriculture sector; Whereas only 29 lakh non-farm jobs were created in the period 2013-19 before Covid (based on government PLFS data). The number of educated youth in rural/urban India increased between 2004 and 2019, and then unemployment increased even more during Covid due to economic and health mismanagement. Youth unemployment has more than doubled under the current government. On the other hand, real wage growth has also slowed sharply.

हलाल उत्पादों को लेकर खाध सुरक्षा विभाग की छापेमारी, मचा हड़कंप

मुरादाबाद- उत्तर प्रदेश सरकार के हलाल प्रमाणित उत्पादों पर पाबंदी लगाने के बाद फूड डिपार्टमेंट के अधिकारी महानगर में भी जगह-जगह रेस्टोरेंट्स और मॉल में छापेमारी कार्रवाई कर रहे हैं। फूड एंड सेफ्टी विभाग की 12 टीमें चेकिंग कर रही हैं। अभी तक चार जगह पर छापा मारा गया है। इस कारवाई से दूकानदारों में हड़कंप मच गया है। हलाल प्रमाणित उत्पादों की बिक्री की सूचना पर छापे मारे जा रहे हैं। हलाल प्रमाणित उत्पादों की बिक्री पर यूपी में प्रतिबंध है और इसकी बिक्री मिलने पर सख्त एक्शन फूड डिपार्टमेंट की टीम लेगा। सहायक फूड सेफ्टी आयुक्त राज वंश श्रीवास्तव के नेतृत्व में मुरादाबाद के हलाल फ़ूड फ़ॉर यू रेस्टोरेंट पर छापा मार कार्रवाई की गई। अधिकारियों के मुताबिक, हलाल प्रमाणित उत्पाद बेचने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। सरकार का सख्त रुख देखते हुए हलाल प्रमाणित उत्पाद बेचने वाले कई दुकानदारों ने अपने संस्थान से हलाल के बोर्ड हटा दिए हैं। फ़ूड एन्ड सेफ्टी विभाग के अधिकारी लगातार छापेमारी कर रहे हैं और सेम्पिल ले रहे हैं।

14 वर्षों बाद मुरादाबाद विकास प्राधिकरण ने दिया नवसृजित चार आवासीय योजना का उपहार

मुरादाबाद- अमृत कुंज, गतिशक्ति नगर, समृद्धि विहार व विश्वकर्मा हाट का उद्घाटन मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह, डीआईजी मुनिराज जिला पंचायत अध्यक्ष डा. शेफाली सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, एमएलसी सत्यपाल सैनी, गोपाल अंजान, प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्राधिकरण शैलेष कुमार रहे मौजूद मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के समागम सभागार में मंगलवार को प्राधिकरण की चार नयी आवासीय व व्यवसायिक भूखंड व भवन योजना का उद्घाटन किया गया। मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह ने योजनाओं को साकार कर मुरादाबाद को विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व उनकी पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमृत कुंज, गतिशक्ति नगर, समृद्धि विहार व विश्वकर्मा हाट का उद्घाटन होने के बाद आवास और व्यवसाय में लोगों की समस्या दूर होंगी और व्यवस्थित सुविधाओं के साथ लोगों का जीवन स्तर और बेहतर होगा। अनुशासित विकास का स्वरूप बेहतर करना ही उद्देश्य है। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शैलेष कुमार ने चारों आवासीय योजनाओं के बारे में सभी को जानकारी दी। कहा कि अमृत कुंज योजना में 175 भवन हैं। इसके लिए दस प्रतिशत टोटल धनराशि जमा कर पंजीकरण कराकर लाटरी में शामिल हो सकते हैं। आवंटन कन्फर्म होने पर सामान्य वर्ग के आवेदकों को 20 प्रतिशत धनराशि जमा करना होगा। अमृत कुंज योजना में 3250 रुपये प्रतिवर्ग फुट कीमत तय किया गया है। चारों नयी आवासीय योजनाओं के लिए पंजीकरण 22 नवंबर से शुरू होगा। समृद्धि विहार योजना सेक्टर बी नया मुरादाबाद दिल्ली रोड पर विकसित किया जा रहा है। चारों नयी योजनाओं में 600 संपतियां हैं। जिसमें 300 भूखंड व 300 आवास हैं। गतिशक्ति नगर और विश्वकर्मा हाट व्यवसायिक भूखंड योजना है। उन्होंने बताया कि अमृत कुंज योजना एकता विहार दक्षिणी में 175 भूखंड हैं। 208 आवासीय भवन हैं। गतिशक्ति नगर ट्रांसपोर्ट नगर में 103 भूखंड हैं। 60, 300 रुपये प्रति वर्ग मीटर भूखंड की दर है। विश्वकर्मा हाट कांशीराम नगर में व्यवसायिक योजना है। इसमें फुटकर दुकानों के लिए बनाई गई है। डीआईजी मुनिराज जिला पंचायत अध्यक्ष डा. शेफाली सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, एमएलसी सत्यपाल सैनी, गोपाल अंजान, एमडीए बोर्ड के सदस्य राजू कालरा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कुशांक गुप्ता हत्याकांड में शूटर केशव शरण शर्मा पर एनएसए की कार्रवाई

मुरादाबाद- स्पोर्ट्स व्यापारी कुशांक गुप्ता हत्याकांड में आरोपित शूटर केशव शरण शर्मा के विरुद्ध पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के संबंध में सिविल लाइन थाने के अपराध निरीक्षक इलम सिंह ने पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस हत्याकांड में आरोपित अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध पूर्व में ही राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा चुकी है। अब केशव शरण शर्मा के विरुद्ध भी एनएसए के तहत कार्रवाई की गई है। अभी वर्तमान में बिजनौर जिला कारागार में अनिरुद्ध है। इस पर आरोप है कि सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के रामगंगा विहार में 12 जनवरी 2022 की रात स्पोर्ट्स सामान का कारोबार करने वाले कुशांक गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना में कुशांक पिता अशोक कुमार गुप्ता ने मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमे की विवेचना के समय पाया गया था कि इस मामले में कुशांक गुप्ता का विवाद ललित कौशिक के साथ हुआ था। दुकान खाली करने के विवाद में ललित कौशिक ने कुशांक को जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद कुशांक गुप्ता की हत्या कराने की सुपारी दे दी गई थी। जिसमें खुशवंत सिंह उर्फ भीम पुत्र वीरेंद्र सिंह को इस हत्या की जिम्मेदारी दे दी गई। जिसमें ललित कौशिक, केशव शरण शर्मा और भीम चौधरी खुशवंत सिंह को आरोपी बनाया गया था। जिला जज की अदालत में इस मामले में सुनवाई चल रही है। केस के वादी अशोक कुमार गुप्ता कोर्ट में अपने बयान दर्ज करा चुके हैं।

कोहरे में वाहन चलाते समय फॉग लाइट का लें सहारा

मुरादाबाद- हादसों से बचाव के लिए यातायात पुलिस ने डिवाइडर पर लगवाया रिफ्लेक्टर टेप कोहरे में दुर्घटना से बचाव के लिए यातायात पुलिस की ओर से महानगर के तिराहों-चौराहों पर स्थित डिवाइडर पर रिफ्लेक्टर टेप लगाएं जा रहे हैं ताकि रात को वाहन चलाते समय मोड पर डिवाइडर दिख जाए। साथ ही चालकों को घने कोहरे में वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। यातायात पुलिस अधीक्षक सुभाषचंद्र गंगवार के निर्देश पर पुलिसकर्मियों की ओर से महानगर के विभिन्न चौक-चौराहों स्थित डिवाइडर पर रिफ्लेक्टर टेप लगाएं जा रहे हैं। साथ इसे वाहनों पर लगाने के लिए लोगों से अपील कर रहे हैं और घने कोहरे में वाहन चलाने की जानकारी चालकों को दी जा रही है। लो बीम पर रखें हेडलाइट - गाड़ी की हेटलाइट्स को हाई के बजाय लो बीम पर रखें। ऐसे में आपको सामने से आने वाले गाड़ी स्पष्ट दिखाई देगी। लाइन में चलाएं गाड़ियां - कोहरा घना हो तो सड़क के बाएं किनारे को देखकर गाड़ी ड्राइव करें। इसका लाभ यह होगा कि बिना किसी भटकाव के आपकी गाड़ी सीधी लाइन में चलती रहेगी। पीली लाइट को फॉलो करें - गाड़ी ड्राइव करने वाले व्यक्ति की आसानी के लिए सड़कों पर पीली लाइट लगाई जाती है। आप इसे फॉलो करें। इसकी मदद से आप कोहरे में भी आसानी से ड्राइविंग कर सकते हैं। दूरी का रखें ध्यान- कोहरे में दुर्घटना से बचने के लिए यह जरूरी है कि आप सामने वाली गाड़ी से एक निश्चित दूसरी बनाकर रखें। दरअसल, कोहरे में सड़कें गीली हो जाती हैं। इसलिए संभव है कि जब आप ब्रेक लगाएं तब तक आपकी गाड़ी दूसरी गाड़ी से टकरा जाए। इसलिए दूरी का ध्यान रखना जरूरी। मोड़ पर इंडिकेटर का प्रयोग करें - आपको गाड़ी कहीं मोड़नी है तो उसके लिए पहले से ही इंडिकेटर देना शुरू कर दें। मोड़ के आने पर इंडिकेटर न दें। लेकिन मुडे तब इंडिकेटर जरूर दें। घने कोहरे में फॉग लाइट का सहारा लें- घने कोहर में हेटलाइट के साथ फॉग लाइट जलाना न भूलें। यह धुंध काटने में मददगार साबित होता है। कुछ लोग धुंध में सिर्फ फॉग लाइट का सहारा लेते हैं। ये भी गलत है। दूर से आने वाले लोगों को फॉग लाइट दिखाई नहीं देती। इसलिए हेडलाइट्स बंद करके सिर्फ फॉग लाइट से काम न चलाएं।

40 लाख से अधिक की आबादी में नेक इंसान मिले सिर्फ दो

जनपद में प्रचार- प्रसार के अभाव में दम तोड़ रही गुड सेमेरिटन योजना

मुरादाबाद- हर वर्ष नवंबर में यातायात माह चलाया जाता है। इसमें यातायात पुलिसकर्मियों की ओर से यातायात नियमों के बारे में लोगों को बताया जाता है। वहीं प्रचार- प्रसार का अभाव में गुड सेमेरिटन (नेक इंसान) योजना दम तोड़ रही है। लाखों की संख्या में सिर्फ दो गुड सेमेरिटन यानि नेक इंसान मिले। योजना की जानकारी न होने के कारण लोग हादसे में घायल व्यक्ति को सड़क पर तड़पता देखकर भी बचकर निकल जाते हैं। जबकि अगर किसी घायल की जान बच जाती है तो उसे अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को नेक इंसान के तौर पुरस्कार दिया जाता है। मुरादाबाद जनपद में 40 लाख से अधिक लोग निवास करते है। वर्ष 2022 में सिर्फ दो लोग नेक इंसान मिले थे। सिरसी भुडा के घनश्याम ने तीन दिसंबर 2022 को बिलारी सिरसी रोड पर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल सीएचसी बिलारी में भर्ती कराया था। बिलारी के स्योडारा निवासी राजाबाज ने दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाकर जान बचाई थी। यह नेक इंसान के तौर पर पुरस्कार पा चुके है। हालांकि अभी नकद पुरस्कार नहीं मिला है।

वर्ष 2014 से शुरू हुई योजना

सड़क हादसों में होने वाली मौतों को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद वर्ष 2014 में गुड सेमेरिटन यानि नेक इंसान योजना को शुरू किया था। योजना के अंतर्गत तय हुआ कि ऐसा व्यक्ति जो सड़क पर तड़पते व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराएगा, उसे गुड सेमेरिटन यानि नेक इंसान के पुरस्कार से नवाजा जाएगा। योजना में पांच हजार रुपये (उत्तर प्रदेश में दो हजार) नकद इनाम और प्रमाण पत्र की व्यवस्था की गई थी। गोल्डेन ऑवर में पहुंचाना होता है अस्पताल - दुर्घटना के बाद एक घंटे के अंदर जिला अस्पताल में पहुंचाना होता है। चिकित्सक कहता है कि समय से लाने से व्यक्ति की जान बच गई है।

ऐसे होता है का चयन

घायल को अस्पताल पहुंचाने की सूचना पुलिस को दी जाएगी। इसके बाद डीएम की अध्यक्षता में गठित मूल्यांकन समिति नेक इंसान को पुरस्कृत करने के लिए चुनेगी। मूल्यांकन समिति चयनित नामों की सूची परिवहन आयुक्त को भेजेगी। परिवहन विभाग नेक इंसान के बैंक अकाउंट में पुरस्कार की राशि भेजेगा। इस कमेटी में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी भी शामिल होते हैं। जिलाधिकारी के हाथो फरवरी 2023 में गुड सेमेरिटन (नेक इंसान) के तौर पर गणेश भगवान की मूर्ति देकर पुरस्कार मिला था। पांच हजार रुपये अभी नहीं मिले है। घायलों लोगों को अस्पताल पहुंचाना चाहिए।-घनश्याम, सिरसी भुडा

मानवता से बढ़कर कुछ नहीं है। रात का समय था दुर्घटना से घायल व्यक्ति सड़क किनारे दर्द कराह रहा था। उसके सिर से खून बह रहा है। राहगीर जा रहे थे। मैंने उसको तत्काल अस्पताल पहुंचाया। घायल व्यक्ति आज भी जिंदा है। -राजाबाज, स्योडारा बिलारी

तहसीलदार समेत पांच को गिरफ्तार करा चुका है शिकायतकर्ता

मुरादाबाद- नियत दिन में रिश्वत पहुंचने में देर हुई तो दरोगा ने हसमत को फोन कर जल्दी आने को कहा था, घूस लेते पकड़ी जाने पर रोने लगी दरोगा डिलारी थाने की दरोगा पिंकी शर्मा को 5,000 रुपये की रिश्वत संग रंगे हाथ गिरफ्तार कराने वाला हसमत का कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले वह ठाकुरद्वारा तहसील के तहसीलदार समेत कुल पांच अधिकारियों को घूसखोरी में गिरफ्तार करा चुके हैं। हसमत अली बढ़ेरा गांव के रहने वाले हैं। दरोगा पिंकी को हसमत ने ही भ्रष्टाचार निवारण संगठन के अधिकारियों संग थाने पहुंचकर घूस के रुपये दिए। हसमत ने बताया कि घूस के रुपयों के संबंध में उनकी पूर्व में ही पिंकी शर्मा से बातचीत हो गई थी। कुल 25,000 रुपयों में से पहली किश्त में वह 5,000 रुपये देने को राजी हुए थे और ये रुपये सोमवार को ही देने को कहा था। हसमत ने बताया कि सुबह जब वह रुपये लेकर थाने नहीं पहुंचे तो दरोगा पिंकी शर्मा ने उन्हें 11.52 बजे फोन कर कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि घंटे भर में वह थाने पहुंच रहे हैं। जब वह थाने पहुंचे तो दरोगा महिला हेल्प डेस्क वाले चैंबर में बैठी थी। वहां पहुंचकर हसमत ने रुपये दिए तो दरोगा बोली पूरे (5,000 रुपये) हैं, कम तो नहीं हैं...। बस जैसे ही उसने रुपये हाथ में लिए कि भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम में शामिल प्रभारी निरीक्षक नवल मांडवा ने उन्हें पीछे कर दिया और दरोगा के हाथ में मौजूद रुपये पकड़कर अपना परिचय दिया तो वह रोने लगी थी। खबर है कि भ्रष्टाचार निवारण संगठन के अधिकारियों ने दरोगा को महिला हेल्प डेस्क से पकड़ा है और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में रिश्वत लेने से लेकर गिरफ्तारी तक कार्रवाई कैद हो गई है। फुटेज के आधार पर कार्रवाई करने वाले अधिकारियों के पास मजबूत साक्ष्य भी एकत्र हो गए हैं। पूर्व में भी तहसीलदार, आपूर्ति निरीक्षक, दरोगा-कांस्टेबल को भी पकड़वाया हसमत अली बताते हैं कि उन्होंने सबसे पहले ठाकुरद्वारा तहसील के तहसीलदार राजीव उपाध्याय को 4 जुलाई 2010 को 5,000 रुपये की रिश्वत के साथ रंगे हाथ भ्रष्टाचार निवारण संगठन के अधिकारियों से गिरफ्तार कराया था। उन्होंने बताया कि उनके घर में निकाह की तैयारियां चल रही थी और घर के पास गड्ढे को पाटने के लिए वह मिट्टी खनन के लिए अनुमति मांग रहे थे। इसमें तहसीलदार ने उनसे 10,000 रुपये मांगे थे। इसमें उन्होंने आधे रुपये दिए थे। इसी तरह उन्होंने 31 जुलाई 2015 को आपूर्ति निरीक्षक नरेश कुमार को भी 5,000 रुपये की रिश्वत संग गिरफ्तार कराया था। हसमत ने बताया कि उन्होंने कोटेदार के विरुद्ध शिकायत की थी, रारी केके राय को भी भ्रष्टाचार निवारण संगठन के अधिकारियों से गिरफ्तार करा चुके हैं। उन्होंने बताया कि 2007 में आपूर्ति निरीक्षक प्रभाकर देव को उन्होंने दोस्त की पत्नी परवीन के माध्यम से रिश्वत के रुपयों संग पकड़वाया था। 2011 में डिलारी थाने के दरोगा महेंद्र पाल और कांस्टेबल शकील अहमद को भी हसमत अपने दोस्त गबरुल खान के माध्यम से गिरफ्तार करा चुके हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मध्यांचल ग्रामीण बैंक पटहट में जन धन योजना के तहत खोले गए खाता धारकों का नहीं मिला पासबुक अभी तक पासबुक देने के लिए 2000 की मांग की

बैंक मैनेजर की लापरवाही से क्षेत्र की जनता परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

पटहट में स्थित मध्यांचल ग्रामीण बैंक में जन धन योजना के तहत ग्रामीणों में जा जाकर कैंप लगाकर के खाता खोला गया था वहीं कुछ लोगों को आज तक पासबुक नहीं दी गई है जबकि उनके द्वारा कई बार बैंक में जाकर सक्षम अधिकारियों से पूछा गया तो बताया गया कि जब तक आप 2000 जमा नहीं करेंगे तब तक आपको पासबुक नहीं मिलेगी जबकि जन धन योजना के तहत खाता निशुल्क खोला गया था और निशुल्क पासबुक देने की बात की गई थी तब ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था खाता खुलवाने में अब उन्हीं लोगों को नहीं मिल रहा है पटहट मध्यांचल ग्रामीण बैंक से पासबुक ,आखिर कब तक चलता रहेगा ऐसा भ्रष्टाचार क्यों किया जाता है गरीबों को परेशान दर-दर की ठोकरे खाने के लिए मजबूर जनता कब मिलेगा न्याय जब खाता निशुल्क खोला गया है तो पासबुक अभी तक क्यों नहीं मिली जबकि यह खाता लगभग 4 से 5 वर्ष पूर्व में खोला गया था और हितग्राही के द्वारा कई बार बैंक में जाकर संपर्क किया गया तो बताया गया कि जब तक आप ?2000 नहीं लेंगे हम पासबुक और खाता नंबर आपको नहीं देंगे क्या ऐसे ही चलता रहेगा भ्रष्टाचार मध्यांचल ग्रामीण बैंक में वहीं पर मध्यांचल ग्रामीण बैंक शाखा में खाता खुलवाने के लिए जब जाते हैं तो बैंक के अंदर बैठे कर्मचारियों के द्वारा बताया जाता है कि आप लोग यहां परेशान ना हो कियोस्क में जाकर खाता खुला लें और गरीब वहां से बेसहारा होकर कियोस्क में जाता है तो वही उसे वालों के द्वारा इसे पैसा लिया जाता है तब इनका खाता खोला जाता है और उसे पैसे में बैंक के कर्मचारियों का कमीशन फिक्स होता है इसलिए बैंक के कर्मचारी आम जनता को खाता खुलवाने के लिए किओस्क बैंक भेजती है आखिर ऐसा भ्रष्टाचार मध्यांचल ग्रामीण बैंक में कब तक चलता रहेगा सक्षम अधिकारी से अनुरोध करना चाहूंगा कि ऐसे भ्रष्टाचारी कर्मचारियों पर कार्यवाही की जाए और इसकी जांच की जाए अब देखने वाली बात यह है रीवा जिले के सक्षम अधिकारी इस मैटर को कितना गंभीरता से लेते हैं यह तो वक्त ही तय करेगा

मध्य प्रदेश के रजमिलन से घर लौट रहे नारायणपुर निवासीओं का भरी गाड़ी पलटी, ग्यारह आहत मोहरसोप के बरगा नदी के मोड़ के समीप हुआ हादसा

क्यूँ न लिखूँ सच
पप्पू जायसवाल

बिहारपुर - मोहरसोप के बरगा नदी मोड पर एक महीने में यह दूसरा घटना है अचानक मोड होने से आए दिन घटना हो रहा है बिहारपुर ओडगी मुख्य मार्ग के मोहरसोप के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन के अनियंत्रित होकर खेत पलट जाने से ग्यारह लोग आहत हो गये हैं। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्यारह लोग मध्यप्रदेश के रजमिलान से स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक सीजी-15 सीआर 6716 में सवार होकर रजमिलान से घर सूरजपुर के नारायणपुर आ रहे थे। इसी दौरान मोहरसोप बरगा नदी मोड़ के समीप स्कॉर्पियो वाहन के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और वाहन पलटी खाते हुए खेत में जा गिरी। वाहन में कुल ग्यारह लोग सवार थे। घटना से ग्यारह लोगों को मामूली चोटें आयी है। जिन्हें मोहरसोप चौकी पुलिस मौके पर पहुंच सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि स्कॉर्पियो वाहन की रफ्तार काफी अधिक थी, जिसके कारण चालक ने अचानक मोड़ पर वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया और वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सभी का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोहरसोप में इलाज जारी है

महूली के प्राथमिक शाला में लटका ताला स्कूल में समय पर नहीं पहुंचते शिक्षिका

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

महूली के प्राथमिक शाला में लटका ताला स्कूल में समय पर नहीं पहुंचते शिक्षिका ग्रामीणों ने जताई नाराजगी एक शिक्षिका के भरोसे महुली के प्राथमिक शाला बच्चे इधर-उधर घूम रहे है सूरजपुर जिले के दुर अंचल के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत महूली के प्राथमिक शाला में आज 11 बजे से तक ताला लटका रहा बच्चे इधर-उधर घूमते रहे वहीं मंगलवार को स्कूल सुबह 10 बजे से 4बजे तक लगता है वहीं शिक्षीक न आने से सुबह 11-00 बजे तक प्राथमिक शाला महूली में ताला लटका रहा गांव के ग्रामीण श्याम बाबू जायसवाल ने बताया कि यहां एक शिक्षिका है जो कि हमेशा नदारद रहती है समय पर कभी स्कूल नहीं आती जहां प्राथमिक शाला के बच्चों का पढ़ाई प्रभावित हो रहा है शिक्षिका की मनमानी से बच्चे सहित ग्रामीण बुजुर्ग परेशान हैं नाराजगी भी जाते हैं सूरजपुर जिले के दुर अंचल क्षेत्र में शिक्षक शिक्षिका मनमानी आए देखने के लिए मिलता है तत्काल जिला प्रशासन एवं जिला शिक्षा अधिकारी से जांच कर कार्यवाही करने की मांग की है ग्रामीण ने

मासूम नशे में डूबे तो माताओं ने उठाईं लाठियां, गांव से शराब भट्टी बन्द कराने को किया प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। थाना भोजीपुरा के गांव जटऊपट्टी में मंगलवार को गांव की दर्जनों महिलाओं ने गांव में खुली शराब भट्टी बन्द कराने को लेकर उग्र प्रदर्शन किया। हाथों में लाठी डंडे लेकर भट्टी पर पहुंची मामला बिगडता देख सेल्समैन हरीश मौका पाकर भट्टी का शटर गिराकर रफूचक्कर हो गया। आरोप है गांव में जो देशी शराब की भट्टी खोली गई है।वह नवाबगंज तहसील के गांव शायपुर के लिए स्वीकृत है।जबकि हमारा गांव सदर तहसील में आता है। इतना ही नहीं गांव के मासूम बच्चे ,बड़े, अधेड़ सब शराब का नशा करने लगे हैं। घरों में कलह -कलेश बढ़ने लगे हैं। वहीं बच्चे शराब के लिए घरों में चोरी भी करने लगे हैं। जिसको लेकर मंगलवार को गांव से आज एक दर्जन से अधिक महिलाओं ने भट्टी बन्द कराने को लेकर जमकर प्रदर्शन किया।इस मौके पर दीपा सागर धनेश्वरी नाथू देवी विमला देवी सन्नो देवी पूरन देवी राजश्री राजेश्वरी प्रेम श्री सहित तमाम महिला मौजूद रहीं। ग्राम प्रधान राजवती मौर्या ने बताया गांव में गलत ढंग से शराब भट्टी खुली जिसको लेकर हम महिलाओं सहित जिलाधिकारी से मिलकर भट्टी बन्द करवाएंगे।एस आई मोदी सिंह ने बताया गांव में भट्टी बन्द करवाने को लेकर कुछ महिलाओं ने विरोध जताया है। आबकारी विभाग को सूचना दी गई है। महिलाओं को समझा-बुझाकर घर भेज दिया गया है।जांच के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी।

त्योंथर ,थाना जनेह के अन्तर्गत ग्राम पंचायत चौखडा के मुख्य मार्ग के किनारे शासकीय भूमि पर नाली को ध्वस्त कर बनाई जा रही है बाउंड्री

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

मामला ग्राम पंचायत चौखडा का है जहाँ पर चौखडा मुख्य मार्ग के किनारे बनी नाली को ध्वस्त करके बाउंड्रीवाल का निर्माण अवधबिहारी सिंह पटेल पुत्र माधव प्रसाद सिंह पटेल के द्वारा किया जा रहा है जबकि जो नाली आज लगभग पचास सालों से निर्मित थी जिसमे से लगभग 100 बीघे की सिंचाई होती थी अब उन किसानो का क्या होगा अब देखना होगा की सरहंग के आगे प्रशासन भी नतमस्तक होगा या किसान आत्महत्या करने पर मजबूर होगा जिसकी सूचना आज थाना जानेह में दी गई है और रिपोर्ट भी दर्ज कर दी गई है अब प्रशासन सरहंग के आगे नतमस्तक होगी या इनके ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी यह तो वक्त ही तय करेगा

02 मोबाइल मुकदमाती व 03 मोबाइल जामा तलाशी मय मोटरसाइकिल स्पेलेण्डर के साथ किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद फतेहगढ़ थाना कादरीगेट पुलिस द्वारा मु0अ0सं0- 277/23 धारा-392/411 भादवि से संबंधित 03 अभियुक्तगण मय बरामद सुदा माल 02 मोबाइल मुकदमाती व 03 मोबाइल जामा तलाशी मय मोटरसाइकिल स्पेलेण्डर रंग काला नं0 क्र76रू 4610 के साथ किया गिरफ्तार। श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन कानपुर श्री आलोक सिंह के निर्देशन, श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक कानपुर रेंज कानपुर श्री प्रशान्त कुमार के कुशल पर्यवेक्षण, श्रीमान पुलिस अधीक्षक फतेहगढ़ श्री विकास कुमार के मार्गदर्शन, श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक श्री डा0 संजय सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर श्री प्रदीप कुमार के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कादरीगेट पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना हाजा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 277/23 धारा 392 भादवि बनाम अज्ञात से संबंधित 03 अभियुक्तगण को दिनांक 21.11.2023 को 02 मोबाइल मुकदमाती व 03 मोबाइल जामातलाशी व लूट में प्रयोग की गयी मो0सा0 स्पेलेण्डर रंग काला नं0 क्र76रू 4610 के साथ गिरफ्तार किया गया।

थाना कादरीगेट पुलिस द्वारा दिनांक-21.11.2023 को मु0अ0सं0 277/23 धारा 392 भादवि में वांछित 01.आकाश कुमार उर्फ राजकुमार उर्फ कल्लू कठेरिया पुत्र गंगासरन सिंह निवासी ढुंईया थाना मऊरदवाजा, 02. शिवराज कुमार उर्फ अन्टू पुत्र नन्हू सिंह निवासी बंगसपुरा कोहना को0 फर्रुखाबाद, 03.अरुण कुमार पुत्र नन्हू सिंह निवासी बंगसपुरा कोहना कोतवाली फर्रुखाबाद को मय 02 अदद मोबाइल मुकदमाती व 03 अदद मोबाइल जामातलाशी व लूट में प्रयोग की गयी मो0सा0 स्पेलेण्डर रंग काला नं0 क्र76रू 4610 के साथ क्रिश्चियन फील्ड के पास गेट से गिरफ्तार किया गया। व मुकदमा उपरोक्त में धारा 411 आईपीसी की बढ़ौत्तरी की गयी। अभियुक्तगण से बरामद एक अदद मोबाइल Samsung रंग नीला दिनांक 20.6.2023 को पवन कोल्ड स्टोरेज फतेहगढ़ के सामने से एक व्यक्ति से लूटा गया था, जिस संबंध में कोतवाली फतेहगढ़ में मु0अ0सं0 332/23 धारा 392 आईपीसी दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढ़ता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

डिस्ट्रिक्ट टेनिस टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।के0सी0एम0टी0 एवं डिस्ट्रिक्ट टेनिस बाल क्रिकेट एसोसिएशन टूर्नामेंट के अंडर-19 खेल के शुभारम्भ कॉलेज के प्रबन्ध निदेशक डॉ. विनय खण्डेलवाल एवं सचिव मुजाहिद अली ने खिलाड़ियों से परिचय कर किया। पहला मैच के0सी0एम0टी0एवं बी.एल. इंटरनेशनल स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें के0सी0एम0टी0 ने बी.एल. इंटरनेशनल स्कूल को 8 विकेट से हराकर विजय प्राप्त की। टूर्नामेंट का दूसरा मैच के0सी0एम0टी0 की टीम का कड़ा मुकाबला एस.आर. इंटरनेशनल के मध्य खेला गया। जिसमें एस.आर. इंटरनेशनल ने 90 रन का विशाल स्कोर बनाया ।और केसीएमटी को हराकर जीत हांसिल की। ज्ञात रहे कि जम्मू कश्मीर में होने वाले जूनियर नेशनल टूर्नामेंट में इन्हीं टीमों से चयन होगा, यह जानकारी एसोसिएशन के संयुक्त सचिव मुसाहिद अली जो कि रेलवे के हाकी टीम के चयनकर्ता भी रहे हैं। कल दूसरा फाइनल एवं सेमीफाइनल मैच बी.एल. इंटरनेशनल व एस.आर. इंटरनेशनल के मध्य तथा फाइनल दोनों के विजेता व के0सी0एम0टी0के बीच खेला जायेगा। यह जानकारी क्रीड़ा अधिकारी अभिषेक तथा आज टीम का परिचय मुख्य अतिथियों में डॉ. विनय खण्डेलवाल तथा डॉ. अमरेश कुमार रहे।

संजय सिंह की गिरफ्तारी के पीछे का सच बताने के लिए आम आदमी घर-घर दे रही दस्तक

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- आम आदमी पार्टी ने आज प्रदेश के हर जनपद में घर-घर दस्तक देकर पर्चे बांटे। इन पर्चों में संजय सिंह की गिरफ्तारी का सच बताने का प्रयास किया गया है। गौरतलब है कि पूरे प्रदेश में आज से आम आदमी पार्टी प्रदेश के सभी जिलों में अभियान चलाकर प्रथम चरण में 25 लाख घरों में दस्तक देगी। अभियान के तहत कार्यकता हर घर पहुंच कर अपने सांसद व उप्र प्रभारी संजय सिंह की ईडी द्वारा की गयी अवैध गिरफ्तारी का काला सच उजागर कर रहे हैं। मंगलवार को अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ताओं ने वार्ड नंबर 42 सागर गेट में घर-घर दस्तक दी। घर में मौजूद लोगों को दो पेज का दस्तावेज देकर बताया गया कि केंद्र सरकार के इशारे पर की गयी है। पर्चे में नारा दिया गया है कि मरना मंजूर है पर डरना नहीं। मतलब साफ है कि पार्टी नेता,कार्यकता अब दबने व डरने वाले नहीं है। वह संजय सिंह की लड़ाई को आर-पार ले जाना चाहते हैं। पर्चा बांट रहे कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाने के लिए जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में टुकड़ियां बनायी गयी हैं। जो अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर दस्तक दे रही हैं। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अरशद खान ने बताया कि संजय सिंह आम आदमी की आवाज, पटरी-रेहड़ी, दुकानदारों, पिछड़ों-दलितों की आवाज को संसद में उठा रहे थे तो उन्हें संसद से निलंबित किया गया। जब

उन्होंने किसानों के संघर्ष की आवाज उठाई तो उन्हें ईडी का डर दिखाया गया। लेकिन संजय सिंह तब और हमलावर हो गये और उन्होने प्रधानमंत्री और अडानी के भ्रष्टाचार का सच उजागर करना शुरू कर दिया। कहा गया कि संजय सिंह ने जब केंद्र सरकार और उप्र सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करना शुरू किया तो संजय सिंह को जेल भेजने की साजिश रची गयी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि संजय सिंह ने राजनीति का स्वच्छ चेहरा बनने की कोशिश की और काले कारनामों से दूर रहे। कोरोना काल में आम आदमी के लिए संघर्ष करना हो चाहे सबके लिए आगे आकर लड़ना हो, सबमें संजय सिंह सबसे आगे खड़े रहे। उन्होंने कहा कि संजय सिंह ने किसान बिल पर मोदी सरकार को घेरा। अडानी की लूट का पर्दाफाश किया। केंद्र सकरार के भ्रष्ट व संगीन अपराधों का खुलासा करते हुए मोदी-अडानी गठजोड़ के जरिये देश को लूटने की साजिशों का बुलंद आवाज में विरोध किया। महानगर अध्यक्ष ग्यादीन कुशवाहा ने कहा कि संजय सिंह की इन्हीं सब नीतियों और केजरीवाल सरकार के माडल के प्रति लोगों का रुझान बढ़ते देख मोदी सरकार ने अपने दोनों नुमाइंदों ईडी और सीबीआई के जरिये पहले सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया को जेल में डाला और शराब नीति के झूठे बवंडर में सबको घेरने की कोशिश कर आम आदमी पार्टी को खत्म करने की साजिश रची। इसी में संजय सिंह को भी घेरा गया। दिलचस्प यह है कि आज तक ईडी और सीबीआई एक भी सुबूत पेश नहीं कर सकी है। सभासद आशीष रायकवार ने कहा कि आज हम सबने पर्चो को बांट कर देश को जागरूक करने का काम किया है। ताकि देश की जनता को सच पता चल सके। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अरशद खान, महानगर अध्यक्ष गयादीन कुशवाहा, सभासद आशीष रायकवार, जालौन प्रभारी पुत्तुसिंह कुशवाहा, पूर्व सैनिक आशीष तिवारी, शुभम श्रीवास, भरत चौधरी, चंद्रशेखर वर्मा, नवीन प्याल, रोहित साहू, शिवलाल रायकवार, टीपू सेन, मनीष चौधरी, पप्पू चौधरी, महेंद्र श्रीवास, योगेश श्रीवास आदि उपस्थित रहे।

युवक की मौत के मामले में हत्या का आरोप लगा, आरोपियों ने की थी पिटाई

क्यूँ न लिखूँ सच -निशाकांत शर्मा

एटा- युवक की मौत के मामले में हत्या का आरोप लगा है। पोस्टमार्टम गृह पहुंचे चाचा ने तीन लोगों पर जमीन का बैनामा कराने के बाद रूपये न देने के विवाद में पिटाई की बात कहीं। पोस्टमार्टम गृह पर दूसरे पक्ष के लोग भी पहुंच गए। हंगामा शुरू हो गया। पुलिस ने बीच-बचाव कराया। इस दौरान पुलिस ने प्रधान को हिरासत में लिया। मामले में तहरीर दी गई है। इस बारे में सीओ का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। थाना राजा का रामपुर के गांव गढ़िया जगन्नाथ निवासी संजीव राठौर (45) पुत्र वीरपाल रविवार शाम को मेडिकल कॉलेज लाया गया। इलाज के दौरान युवक की रात तीन बजे मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम गृह भेज दिया। पोस्टमार्टम गृह पहुंचे मृतक के चाचा राजकुमार ने बताया कि संजीव के नाम चार बीघा जमीन थी जिसका बैनामा शैलेन्द्र ने अपनी पत्नी के नाम करा लिया था। उस समय कुछ रूपये ही दिए थे। रविवार सुबह को संजीव जमीन के बैनामा कराने के पांच लाख रूपये मांगने उसके घर पर पहुंचे। आरोप है कि उसने, अपने भाई, एक अन्य के साथ मिलकर संजीव की पिटाई कर दी। बताया कि मामले की जानकारी डायल-112 को दी गई साथ ही एंबुलेंस के जरिए अलीगंज लाया गया। हालत गंभीर देख दोपहर 12 बजे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में संजीव की इलाज के दौरान मौत हो गई। भाई राजीव सिंह ने तहरीर देते हुए बताया कि पिटाई करने से भाई संजीव की मौत हुई है। एसएचओ रूपेश कुमार वर्मा का कहना है कि पिटाई करने की सूचना पुलिस को नहीं दी गई थी। तहरीर पर जांच की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। वीडियो बनाने पर भड़के लोग, हुआ हंगामा, पहुंची पुलिस एटा। एक तरफ मृतक पक्ष के घरवाले, अन्य लोग पोस्टमार्टम गृह पर खड़े हुए थे तो वही दूसरी तरफ शैलेन्द्र, प्रधान भी पोस्टमार्टम गृह पहुंच गए। बताया जा रहा है कि एक युवक वीडियो बनाने लगा, जिसे लेकर हंगामा शुरू हो गया। मारपीट की नौबत आ गई। मामले की जानकारी पर नगर पुलिस पहुंची और प्रधान को हिरासत में लिया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि दूसरे युवक को पुलिस ने मौके से भगा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि मृतक पहले से बीमार थे और मेडिकल कॉलेज में भी सीने में दर्द होने की बात बताकर भर्ती कराया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्थिति ओर साफ हो जाएगी। मामले की जांच की जा रही है।- सुधांशु शेखर, सीओ अलीगंज एटा।, जिस युवक की मौत हुई है वह पहले से बीमार थे। राजनीतिक द्वेष भावना के चलते उन्हे झूठा फंसाया जा रहा है। मामले की पुलिस निष्पक्ष जांच करे और मृतक के भाई सीडीआर निकलवाएं। उनका कोई दोष है तो वह किसी भी कार्रवाई के लिए तैयार हैं और वह किसी भी जांच के लिए तैयार है।- अखिलेश राठौर, प्रधान गढिया जगन्नाथ राजा का रामपुर

परिवार था थाने में, घर में घुस गया नकाबपोश चोर, घटना हुई सीसीटीवी कैमरे में कैद

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- झाँसी में चोरों के हौंसले इस कदर बुलंद हैं कि चोर चोरी की घटनाओं को बेख़ौफ़ होकर अंजाम दे रहे हैं। यह पूरा मामला प्रेम नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले हंसारी का है जहां जिज्ञासा कान्वेंट स्कूल के पास स्तिथ एक मकान में चोर ने चोरी की घटना को अंजाम दे डाला। दरअसल पीड़िता और सामने रहने वाले पड़ोसी से आपसी विवाद हो गया था। इसके बाद दोनों पक्ष थाने पहुँचे। जब पीड़िता घर आई तो उसके होश उड़ गए क्योंकि सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी में रखे सोने चांदी के जेवरात व नगदी गायब थी। और सीसीटीवी कैमरे भी टूटे हुए मिले। जब पीड़िता ने सीसीटीवी फुटेज देखे तो पड़ोसी और चोर की करतूत

सामने आ गयी। सीसीटीवी में पड़ोसी महिला के साथ चोर खड़ा नजर आया। पीड़िता ने स्थानीय पुलिस से शिकायत की लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई। जबकि सीसीटीवी फुटेज में चोर और पड़ोसी महिला साफ दिखाई दे रहे है। पुलिस की कार्यवाही न होने से स्थानीय पुलिस पर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़िता के भाई ने बताया कि पुलिस आयी और कैमरे की जांच की, पुलिस ने हमसे कहा कि चोर कैमरे तोड़ने आये थे चोरी करने नहीं आये थे। हंसारी चौकी व प्रेमनगर थाने से कार्यवाही न होने के बाद पीड़ित एसएसपी ऑफिस पहुँचे। जहां एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार ने मामले को बारीकी से समझा और चोर के खिलाफ कठोर कार्यवाही का आश्वासन दिया।

पीड़ित महिला दिव्यांग ने पुलिस क्षेत्राधिकारी मऊरानीपुर से लगाई न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- झाँसी जनपद के लहचूरा थाना क्षेत्र से पीड़ित महिला दिव्यांग मिथलेश ने पुलिस क्षेत्राधिकारी मऊरानीपुर से लगाई न्याय की गुहार, पीड़ित लहचूरा थाना क्षेत्र ग्राम गड़वा की निवासी है। पीड़ित ने अवगत कराया कि उसके पति तीन चार दिन से गायब है। पता नहीं चल रहा है छोटे छोटे बच्चे है बच्चो सहित पीड़िता परेशान हो रहीं हैं पीड़ित महिला ने संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी

मऊरानीपुर लक्ष्मीकांत गौतम से जानकारी प्राप्त की तो उन्होने अवगत कराया कि प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है। जांच हेतु निर्देशित किया गया है जल्द ही आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

कर्नाटक में बंधक बनाए गए झाँसी के 70 मजदूर मुक्त होकर झाँसी पहुंचे

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- झाँसी में रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने अपने दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ में उनका फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। घर वापस लौटने पर मजदूरों के चेहरे खुशी से खिल गए। इसके साथ ही उन्होंने ठेकेदार के चंगुल से मुक्त कराने में प्रदीप जैन आदित्य द्वारा की गई मदद के लिए उनका धन्यवाद किया।

तेरी मुहब्बत में हो गए फना, मांगी थी नौकरी, मिला आटा-दाल-चना; सरकार पर वरुण गांधी का तंज

पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर शायराना अंदाज में तंज कसा है। उन्होंने कहा कि तेरी मुहब्बत में हो गए फना, मांगी थी नौकरी, मिला आटा-दाल और चना। सोमवार को अपने संसदीय क्षेत्र में पहुंचे सांसद ने कहा कि आज 90 प्रतिशत नौकरियां संविदा पर लग रही हैं। यानि जब चाहे रख लिया, जब चाहे फेंक दिया। सांसद वरुण गांधी अपनी बयानबाजी से अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। इस बार उन्होंने शायराना अंदाज में केंद्र सरकार पर तंज कसा है। यूपी सरकार पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि एक करोड़ सरकारी नौकरियों के पद खाली हैं। इसलिए खाली हैं, क्योंकि सरकार पैसा बचाना चाहती है। सरकार का काम बिजनेस करना नहीं बल्कि जो कमजोर लोग हैं, उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना है। उन्होंने कहा कि सरकार नई नौकरियों की बात कर रही है, लेकिन एक करोड़ पदों का क्या होगा। वास्तविकता यह है कि जो पैसे बचेंगे, वो चुनाव में आटा, दाल और चना बांटने के काम आएंगे।%यूपी में 18 लाख लोगों को नौकरी से हटाया गया% वरुण गांधी ने कहा कि निजीकरण की वजह से यूपी के 18 लाख लोगों को पिछले पांच साल में नौकरी से हटाया गया है। यूपी पहले से ही बेरोजगारी की चपेट में था। अब इसमें 18 लाख लोगों का आंकड़ा और बढ़ गया है। सांसद बोले, सरकारी नौकरी पहले आम आदमी के लिए एक मात्र नौकरी थी। आसानी से मिल जाती थी।

जब से निजीकरण हुआ तब से नौकरी पाना तो दूर उसके बारे में सोचना भी कठिन लगता है। यही वजह है कि भारत दो बन गए हैं। एक भारत में लोग आसानी से दौड़ रहे हैं, लेकिन दूसरे भारत का भट्ठा बैठता जा रहा है।%सात वर्षों में मात्र सात लाख लोगों को नौकरी% उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में 28 करोड़ लोगों ने सरकारी नौकरी के लिए परीक्षाएं दीं, लेकिन नौकरी मात्र सात लाख लोगों को ही मिली। प्रत्येक वर्ष 15 लाख से अधिक इंजीनियर पढ़ाई कर निकलते हैं, लेकिन नौकरी मात्र 15 फीसदी लोगों को ही मिलती है। एक गांव का किसान कर्ज लेकर अपने बेटे को पढ़ाता है, लेकिन जब उसको नौकरी नहीं मिलती है तो सोचो उसके दिल पर क्या गुजरती होगी, जबकि आज के दौर में कर्ज लेकर पढ़ाई करना आसान नहीं है। अग्निवीर योजना पर भी उठाया सवाल - सांसद ने कहा कि एक अफसर या आर्मी का योद्धा बनने के लिए कितना संघर्ष करना पड़ता है। अग्निवीरों से पांच साल सेवा लेने के बाद उनको निकाला जाएगा। गांव लौटने के बाद जब उनके पास गांव में कोई काम नहीं होगा तो भला वह क्या करेगा। क्या यह सेना का अपमान नहीं है। बता दें कि सांसद वरुण गांधी सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर जिले में पहुंचे थे। सांसद ने पहले दिन क्षेत्र के गांव अभय भगवंतपुर, सोरहा, मझगवां, रड़ेता, रोहनिया भूड़ा आदि गांवों में जनसंवाद कार्यक्रमों को संबोधित किया। साथ ही लोगों की समस्याएं सुनीं।

अखिलेश यादव बोले- 2024 में नतीजे INDIA के पक्ष में आए...तो 27 में भाजपा का जाना तय

इलाहाबाद से शुरू हुई पीडीए साइकिल यात्रा मंगलवार को इटावा जिले के सैफई पहुंची। यहां यात्रा के समापन के दौरान सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 के नतीजे यदि आईएनडीए के पक्ष में आए, तो 2027 में भाजपा का जाना तय है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे में सबको 2027 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा 2024 से हिसाब किताब शुरू हो जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि इस यात्रा में बहुत से साथी विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त भी हुए।

इसमें एक बीमारी डेंगू जैसी थी। डेंगू जैसे बीमारी का सरकार इलाज नहीं करा पाई। अगर 2024 में लोकसभा जीतते हैं, तो 2027 का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि इस यात्रा में बहुत से साथी विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त भी हुए। इसमें एक बीमारी डेंगू जैसी थी। डेंगू जैसे बीमारी का सरकार इलाज नहीं करा पाई। अगर 2024 में लोकसभा जीतते हैं, तो 2027 का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उससे पहले ही यूपी का हिसाब किताब हो जाएगा। 2024 बहुत महत्वपूर्ण है, जो मैच गुजरात में हुआ है।

लखनऊ में मैच हुआ होता, तो इंडिया जीत जाती

अगर यह मैच लखनऊ में हुआ होता, तो भगवान के साथ अटल जी का आशीर्वाद मिलता और इंडिया जीत जाती। सुनने को आया कि वहां की पिच बहुत गड़बड़ थी।

वहां की तैयारी आधी थी, अब समय उनका नहीं दूसरों का है। 2024 में साइकिल चलेगी और 2024 के बाद परिवर्तन दिखाई देगा, वो अलग होगा। पीडीए है, जो एनडीए को हराएगा। अब सभी दल जातीय गाणना के पक्ष में बोल रहे हैं।

बाबा जी को 46 और 56 की गिनती में फर्क नहीं पता

इन्होंने जातीय गाणना रोकी वो भी बात कर रहे हैं। अब कांग्रेस भी जाति का एक्सरे करने की बात कह रही है। जब बीमारी हो, तो उसका एक्सरे होना ही चाहिए। ताकि उसका इलाज हो सके।

हमारे बाबा जी की गिनती सब जानते हैं। इन्हें 46 और 56 की गिनती में फर्क नहीं पता है। इस समय सबसे भ्रष्ट सरकार भाजपा की है। इस समय कोई काम नहीं बता पा रहे रहे हैं, सिर्फ सपा के काम गिना रहे हैं।

9 दिसम्बर को लगेगी लोक अदालत

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में दिनांक 09-12-2023 दिन शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना सुनिश्चित हुआ है। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत से पूर्व आज सोमवार को जिला पूर्ति अधिकारी, नगर पालिका परिषद, विधुत विभाग की नरेन्द्र कुमार सिंह, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम / नोडल अधिकारी-राष्ट्रीय लोक अदालत एवं कमालुद्दीन, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मध्य बैठक आयोजित की गई। नोडल अधिकारी द्वारा अधिक से अधिक वादों के निस्तारण एवं समन तामीला कराये जाने हेतु उपस्थित समस्त अधिकारीगण को निर्देशित किया गया। इस बैठक में कमलेश कुमार गुप्ता, जिलापूर्ति अधिकारी, अभय प्रताप सिंह (लिपिक) खाद्य एवं रसद विभाग, देवेन्द्र सिंह(लिपिक), नगर पालिका परिषद, वैभव अमन्द, विद्युत विभाग आदि अधिकारीगण/ कर्मचारीगण उपस्थित रहे हैं।

गाजियाबाद में यूपी रोडवेज की 429 बसों में लगाए जाएंगे वाहन ट्रैकिंग उपकरण

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की बसों को खास तौर पर महिला यात्रियों के लिए ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए, राज्य भर में लगभग 5,000 बसों के लिए व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) लगाने की एक परियोजना शुरू की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की बसों को खास तौर पर महिला यात्रियों के लिए ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए, राज्य भर में लगभग 5,000 बसों के लिए व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) लगाने की एक परियोजना शुरू की गई है। इमें गाजियाबाद क्षेत्र की 429 बसें भी शामिल हैं। यूपीएसआरटीसी के अधिकारियों ने कहा कि यह परियोजना केंद्र सरकार के निर्भया फंड द्वारा समर्थित है। और इसका मकसद बसों में

महिला सुरक्षा के मुद्दे को संबोधित करना और बसों की लाइव ट्रैकिंग जैसी टेक्नोलॉजी के इंटीग्रेशन के साथ यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाना है। यूपीएसआरटीसी गाजियाबाद क्षेत्र के अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में 429 बसों की पहचान की गई है और अब तक 286 बसों में इंस्टॉलेशन पूरा हो चुका है। गाजियाबाद क्षेत्र में कुल मिलाकर 967 बसें संचालित होती हैं। यूपीएसआरटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक केसरी नंदन चौधरी ने कहा, ₹वीएलटीडी लगाने का काम शुरू हो गया है और क्षेत्र की 429 बसों में से 286 को अब तक कवर किया जा चुका है। परियोजना में अन्य कंपोनेंट्स हैं जैसे पैनिक बटन लगाना, नए वाहनों का इंटीग्रेशन जो इन उपकरणों से लैस हैं। और यात्रियों की जानकारी के लिए क्षेत्रीय बस स्टेशनों पर एलईडी डिस्प्ले यूनिट्स लगाना। 2013 से महिला सुरक्षा से संबंधित योजनाओं को लागू करने के लिए केंद्र द्वारा विभिन्न राज्य सरकारों को निर्भया फंड दिया जाता है। अधिकारियों ने कहा कि प्रारंभिक चरण में 5,000 यूपीएसआरटीसी बसों को वीएलटीडी से लैस करने के लिए पहचान की गई है। और इन्हें लखनऊ में एक मुख्य कमांड सेंटर के साथ इंटीग्रेट किया जाएगा और 20 ऐसे क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।चौधरी ने कहा, ₹5,000 बसों में से, 1,000 से ज्यादा में अब तक उपकरण लगाए जा चुके हैं। गाजियाबाद का क्षेत्रीय केंद्र कौशांबी में बन सकता है। संभावना है कि दिसंबर के आखिर या जनवरी तक इंस्टॉलेशन पूरा हो जाएगा। यूपीएसआरटीसी के साथ काम करने वाले निजी बस ऑपरेटरों को भी अपनी बसों को इन उपकरणों से लैस करने के लिए कहा गया है। यूपीएसआरटीसी गाजियाबाद क्षेत्र की बसें आईएसबीटी कौशांबी, आईएसबीटी आनंद विहार और आईएसबीटी कश्मीरी गेट जैसे बस स्टेशनों से विभिन्न छोटी और लंबी दूरी के गंतव्यों के लिए संचालित होती हैं।

कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान दिवस पश्चात निर्वाचन से संबंधित चर्चा के लिए आयोजित की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच
पप्पू जायसवाल

सूरजपुर- विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतदान प्रक्रिया के समापन के पश्चात कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आज सर्व जिला प्रमुख की उपस्थिति में एक बैठक रखी थी। जिसमें उन्होंने सभी उपस्थित जनो द्वारा मतदान दिवस तक निर्वाचन की प्रक्रिया में आपसी समन्वय और टीम भावना से किये गये कार्य की सहराना की। उन्होंने विशेष रूप से जिलें में कार्यरत सभी महिला अधिकारियों के कार्य को अद्वितीय बताया । उन्होंने प्रशिक्षण, स्वीप इनिशिएटिव एण्ड इनोवेशन की नोडल सुश्री लीना कोसम, इलेक्शन कंट्रोल रूम, निर्वाचन व मॉनिटरिंग व एमसीएमसी की नोडल श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियंका वर्मा, सी-विजिल की नोडल श्रीमती शिवानी जायसवाल व अन्य निर्वाचन संबंधित महिला अधिकारियों की प्रशंसा की और 24/7 उनके द्वारा किये गए कार्य को सराहनीय बताया । प्रशिक्षण के माध्यम से निर्वाचन कार्य के लिए जिले को एक स्कीलड टीम मिली जिसके लिए उन्होंने मास्टर ट्रेनरों द्वारा चलाये गये सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी प्रशंसा की। इसके साथ ही उन्होंने निर्वाचन महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले रिटर्निंग ऑफिसर पीठासीन अधिकारी, सेक्टर ऑफिसर, एसएसटी, एफएसटी, मतदान दल व अन्य सभी के योगदान की सहराना की। उन्होंने आगे कहा कि निर्वाचन कार्य के सफल संपादन के लिए प्रबंधन और कार्य करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों के बीच आपसी समन्वय सबसे महत्वपूर्ण है जिसे आगे भी कायम रखना है।इसके पश्चात उन्होंने उपस्थित जनो को एक ओपन फोरम के माध्यम से अपनी- अपनी बात रखने का मौका दिया और निर्वाचन की प्रक्रिया को और बेहतर करने के लिए अधिकारियों से उनके सुझाव मांगे। उपस्थित जनो ने अपने अनुभव साझा किये और आगे कैसे बेहतर परिणाम मिले इसे लेकर महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की । इसी साथ ही कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा आदर्श आचार संहिता को ध्यान में रखते हुए नियमानुसार लंबित आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

शहर की हवा को दूषित कर रहे सुलगते कूड़े के ढेर

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

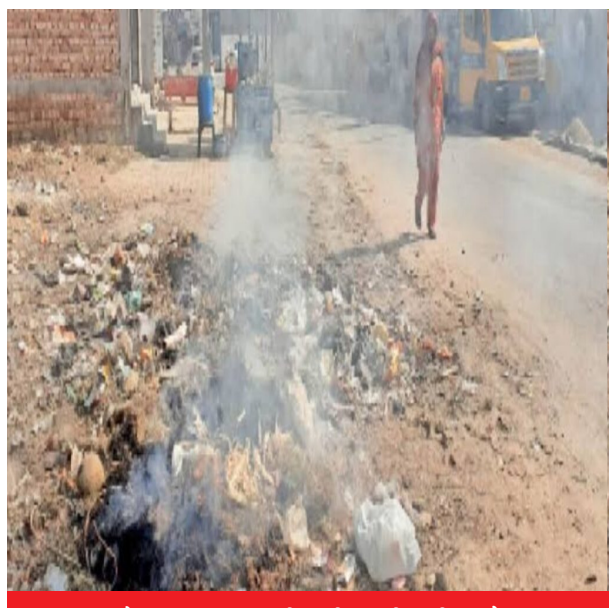

सैनिक पड़ाव में पड़े कूड़े को कौन जला रहा है। इसकी पुष्टि करना संभव नहीं है। जहां भी कूड़ा जलाया जा रहा है उसे पानी डालकर बुझवा दिया जाएगा। नगर पालिका कूड़ा प्रबंधन के लिए जल्दी प्लांट शुरू करने वाली है। संजय कुमार गौतम ,ईओ नगर पालिका एटा।

एटा- जिले में वायु प्रदूषण रोकने के लिए किसानों को फसल अवशेष जलाने से रोका जा रहा है। न मानने वाले किसानों पर जुर्माना भी लगाया जा रहा है। जबकि जगह-जगह सुलगते कूड़े के ढेर से उठने वाले जहरीले धुंए को रोकने से संबंधित किसी प्रकार की कोई निगरानी या कार्रवाई नहीं की जा रही है। कूड़ा प्रबंधन करने की वजाय शहर में जगह-जगह कूड़े ढेरों में आग लगाकर उसे नष्ट करने की कोशिश की जा रही है।

आग लगाने से कूड़ा नष्ट तो नहीं हो रहा लेकिन वायु प्रदूषण जरुर फैला रहा है। जलते और सुलगते कूड़े के ढेर से उठने वाले विषैले धुंए से लोगों को अनेकों प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के सैनिक पड़ाव में पड़ा हजारों मीट्रिक टन कूड़ा जगह-जगह जल रहा है,जो कि शहर की आवोहवा को दूषित करने में एक बड़ा योगदान दे रहा है। इस ओर नगर पालिका सहित अन्य किसी भी विभाग के अधिकारी की नजर नहीं है। जबकि फसल अवशेषों को जलाए जाने से रोकने के लिए अधिकारी काफी संक्रियता बरत रहे हैं। इतना ही सैटेलाइट से भी निगरानी कर स्थान को डिटेक्ट किया जा रहा है हालांकि लेकिन कूड़े को जलाने से रोकने के लिए सेटेलाइट सहित कोई भी व्यवस्था नहीं की जा रही है।

विश्व मत्स्य दिवस पर मत्स्य उत्पादन में उत्तर प्रदेश को प्रथम स्थान मिलने पर मत्स्य पालकों में दौडी खुशी की लहर

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- विकास भवन सभागार में मत्स्य विकास अभिकरण के सौजन्य से विश्व मत्स्य दिवस पर गोष्ठी कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया ! इस अवसर पर गोष्ठी को संबोधित करते हुऐ निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार कश्यप ने कहा कि आज विश्व मत्स्य दिवस के अवसर पर आप लोगों को एक खुशी की सौगात देना चाहूंगा क्योंकि भारत सरकार के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश सरकार के यशस्वी मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के निर्देशन में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री मत्स्य महामना डा. संजय कुमार निषाद राष्ट्रीय अध्यक्ष निषाद पार्टी के अथक प्रयासों से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना एवं मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से मत्स्य उत्पादन एवं विक्रय में उत्तर प्रदेश ने समूचे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश को गौरान्वित कराया है ! राकेश कश्यप ने आगे कहा कि आज इस खुशी में महामना डा. संजय कुमार निषाद को गुजरात के अहमदाबाद में सम्मानित किया गया है ! आज गोष्ठी कार्यक्रम के दौरान मत्स्य पालकों में उत्तर प्रदेश को प्रथम स्थान मिलने पर खुशी की लहर दौड गयी ! इस अवसर पर निषाद पार्टी के प्रमुख महासचिव डा. सुभाष शाक्य , निषाद पार्टी आई.टी.सैल के अध्यक्ष देवांश वर्धन कश्यप सहित सहायक निदेशक मत्स्य आर. के. श्रीवास्तव व मत्स्य निरीक्षक अनुज चौहान सहित दर्जनों मत्स्य पालकगंण मौजूद रहे !

अंधे कत्ल का खुलासा कर चौकी रेवटी पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
पप्पू जायसवाल

सूरजपुर- दिनांक 19.11.23 को ग्राम डांडकरवां चौकी रेवटी निवासी रामसुन्दर पण्डो ने चौकी रेवटी में सूचना दिया कि इसकी चाची कलावती अपने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर मर्ग कायम पर पुलिस फौरन मौके पर पहुंची। मर्ग जांच पाया गया कि मृतिका फांसी नहीं लगाई बल्कि फांसी का बनावटी गठान का रूप दिया गया है। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मृतिका का हत्या कर साक्ष्य छुपाने के उद्धेश्य से बनावटी फांसी का रूप दिया गया है जबकि वास्तविक घटना स्थल उसी के बगल दूसरे कमरे का होना पाए जाने पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र. 109/23 धारा 302, 201 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने घटना स्थल का बारीकी से मुआयना करते हुए साक्ष्य संकलन करने, आरोपी की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने निर्देश देते हुए डॉग स्क्वार्ड को मौके पर भेजा। मामले में डॉग स्क्वार्ड व जांच में मिले अहम सुराग के आधार पर चौकी रेवटी पुलिस ने संदेही रामनरेश पण्डो को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि मृतिका उसे अपशगुन होने की बात कहती थी जिस कारण आवेश में आकर गमछा से गला घोटकर हत्या कर दिया और बचने के लिए फांसी लगाने का स्वरूप दिया। मामले में आरोपी राम नरेश पण्डो पिता स्व. धनकुधारी उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम डांडकरवां, चौकी रेवटी को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल व एसडीओपी प्रतापपुर अरूण नेताम के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी रेवटी सुमंत पांडेय, प्रधान आरक्षक ज्योतिष पटेल, शिव राजवाड़े, रावर्ट तिग्गा, आरक्षक बलिंदर खलखो, तीरथ राजवाड़े, निर्मल राजवाड़े, महासागर तिर्की व जयजीत टोप्पो सक्रीय रहे।

कांग्रेस कार्यालय पर प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- उत्तरकाशी के सिलकारा गांव में, निर्माणाधीन टनल का एक हिस्सा टूट जाने से उसमें विगत 8 दिनों से 41 मजदूर फंसे हुए हैं उन मजदूरों के स्वस्थ होने के लिए आज जिला कांग्रेस कमेटी एटा द्वारा कांग्रेस कार्यालय पर प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया प्रार्थना सभा के माध्यम से सभी ने हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना की तथा दुआ मांगी के सुरंग में फंसे मजदूर जल्दी से जल्दी स्वस्थ हो और बाहर निकले यही हमारी सभी की कामना है उसके बाद आजीवन जिला कांग्रेस कार्यालय एटा के प्रभारी स्वर्गीय विजेंद्र सिंह कश्यप की पुण्यतिथि मनाई गई इस अवसर पर उनके पुत्र अरविंद कश्यप के साथ सभी जिला कांग्रेस कमेटी एटा के पदाधिकारीगण वीरांगना अवंती बाईलोधी मेडिकल कॉलेज एटा पहुंचकर मरीजों को फल वितरण किया एवं उनका हाल-चाल जाना फल वितरण करने वालों में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गंगा सहाय लोधी कार्यवाहक जिला अध्यक्ष ठाकुर अनिल सोलंकी अरविंद कश्यप नील माराज पूर्व प्रत्याशी इंजीनियर सुरेंद्र कश्यप जी राजेंद्र सिंह यादव संदीप सिंह प्रतिहार प्रभारी राष्ट्रीय ओबीसी महासभा उमेश चंद्र राजपूत ओमवीर सिंह वर्मा फौजी आनंद बघेल तसव्वर जिला अध्यक्ष सोशल मीडिया फैजल भाई एवं अनेक कांग्रेसी जन उपस्थित थे

संभाग में शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न, इसी गंभीरता के साथ मतगणना कार्य की जिम्मेदारी भी निभाएं - संभागायुक्त श्रीमती शिखा

क्यूँ न लिखूँ सच
पप्पू जायसवाल

सूरजपुर- 3 दिसंबर को मतगणना, तैयारी शुरू, राज्य निर्वाचन कार्यालय से आए नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतगणना कार्य हेतु संभाग के 5 जिलों से आए अधिकारियों को दिया गया गुणवत्तापूर्ण विस्तृत प्रशिक्षण नवंबर को संभाग में शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न होने के बाद अब 3 दिसंबर को मतगणना की जानी है। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत 3 दिसंबर को होने वाले मतगणना कार्य के लिए पांच जिलों सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर और मनेंदगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले की कुल 11 विधानसभा के मतगणना हेतु जिले से आये लगभग 141 अधिकारियों को मंगलवार को आवश्यक प्रशिक्षण जिला पंचायत सभाकक्ष सरगुजा में दिया गया। इस दौरान प्रशिक्षण में राष्ट्रीय स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ श्री यू.एस. अग्रवाल, सरगुजा संभागायुक्त श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन कुमार, राष्ट्रीय स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री प्रणव सिंह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अर्चना पाण्डेय एवं राज्य व जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे। सरगुजा संभागायुक्त श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी ने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी अधिकारियों को संभाग में शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों ने बेहतर तरीके ने निर्वाचन संपादित कराया है। निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संपन्न कराना हमारी प्राथमिकता है और अब मतगणना के कार्य को भी गंभीरता से लेते हुए भली भांति संपन्न कराना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं अनुभव के आधार पर प्रशिक्षण देकर मार्गदर्शन किया है। अब अपने अधीनस्थों को भी इसी तरह गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना आपकी जिम्मेदारी है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सरगुजा श्री कुन्दन ने इस अवसर पर कहा कि राज्य निर्वाचन कार्यालय से मास्टर ट्रेनर मतगणना कार्य हेतु प्रशिक्षण देने यहां उपस्थित हैं। यहां दिए गए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को अपने अधीनस्थों को दें जिससे बेहतर एवं निर्विघ्न मतगणना की कार्यवाही पूर्ण हो सके। उन्होंने कहा कि मतगणना बेहद महत्वपूर्ण कार्य है, इसके लिए कुशल कर्मियों का ही चयन किया जाना आवश्यक है। राज्य निर्वाचन कार्यालय से पहुंचे मास्टर ट्रेनर के द्वारा मतगणना के पूर्व तैयारी, मानव संसाधन व आवश्यक संसाधन की व्यवस्था, डाक मतपत्र की गणना, ईव्हीएम मशीन से मतगणना की व्यवस्था, काउंटिंग प्रोसीजर इटीपीबीएस एवं पोस्टल बैलेट, मतगणना सॉफ्टवेयर, एनकोर, इंडेक्स कार्ड भरने की व्यवस्था जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। मतगणना दिवस के लिए स्ट्रांग रूम और मतगणना कक्ष में की जाने वाली नियमों का पालन की विस्तृत जानकारी दी गई। डाक मतपत्र की गणना, कंट्रोल यूनिट का गणना की संपूर्ण प्रक्रिया को समझाया गया। इस दौरान वीवीपैट काउंटिंग का लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया।

प्रशिक्षण में उपस्थित जिलों में मतदान की संक्षिप्त जानकारी

विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत सरगुजा जिले में वोटिंग प्रतिशत 80.22 रहा, जिसके तहत कुल 5 लाख 22 हजार 592 मतदाताओं ने मतदान किया। सूरजपुर जिले में 82.05 मतदान प्रतिशत रहा, जिसके तहत 5 लाख 78 हजार 722 मतदाताओं ने मतदान किया। इसी तरह कोरिया जिले में मतदान प्रतिशत 83.12, कुल मतदान 1 लाख 69 हजार 942, बलरामपुर जिले में मतदान प्रतिशत 83.44 एवं कुल मतदान 4 लाख 65 हजार 83 और मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले में मतदान प्रतिशत 78.70 रहा, जिसके तहत 2 लाख 47 हजार 927 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

एमएसएमई योजना(स्वरोजगार)के तहत आवेदन करने वाले लोगों को बैंकों से पैसा मिला

क्यूँ न लिखूँ सच -निशाकांत शर्मा

एटा- उद्योग केंद्र के उपायुक्त प्रेमकांत ने बताया कि एमएसएमई योजना के तहत आवेदन करने वाले लोगों को बैंकों से पैसा मिलना शुरू हो गया है। अभी हाल ही में प्रबल प्रताप सिंह और जुबैर खान का पांच-पांच लाख रुपया दिया गया है। प्रबल प्रताप सिंह लोन से मिले पैसे से शटरिंग का काम करेंगे।

जुबैर भी शटरिंग का काम करेंगे। पैसा मिलने के बाद इन लोगों ने काम करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। हिन्दुस्तान समाचार पत्र ने नौ नबंवर को खबर प्रकाशित की थी। इसमें बैंकों में उलझा युवाओं के सपनों का रोजगार, नहीं मिल पा रहा लोन की खबर प्रकाशित की थी। इस खबर के बाद डीएम प्रेम रंजन सिंह ने उपायुक्त को निर्देश दिए कि वह स्वरोजागार करने वालों को पैसा दिलाया जाए।

मालूम हो कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के लिए जिला उद्योग केंद्र की ओर से आवेदन मांगे गए थे। 48 युवाओं के आवेदन पत्रों का चयन किया गया। जो युवा अपने पसंद का उद्योग लगाना चाहता था,

उसके हिसाब से बैंकों को आवेदन भेज दिए गए। अधिकांश आवेदक 10 लाख रुपये से लेकर 20 लाख रुपये की लागत से चलने वाले उद्योग लगा रहे थे। 20 से अधिक आवेदकों को बैंकों की ओर से पैसा ही नहीं दिया गया।

यह लोग बैंकों के चक्कर लगा रहे हैं। छह माह से अधिक का समय होने के बाद भी इन लोगों को पैसा नहीं मिल सका। अब कुछ ने तो यह मन बना लिया कि पैसा नहीं मिलेगा। अधिकारियों से गुहार लगाने के बाद भी उन्हें पैसा नहीं मिल सका।

Do not take frequent fatigue and weakness lightly, it can be a sign of prostate cancer.

Fatigue and weakness are quite common, you may have this problem due to excessive work-stress or some types of diseases, although it also gets cured on its own. But if you often feel tired and weak, then you may need to pay serious attention to it. Health experts say that people suffering from prostate cancer are also at risk of suffering from fatigue and weakness. Prostate cancer is one of the most common types of cancer in men. Prostate cancer occurs in the prostate, a small walnut-sized gland that produces semen. It is known to be a serious disease, which can even cause death. It is the leading cause of cancer deaths in men in the US. Problem of fatigue and weakness – People with prostate cancer may have different symptoms. In most men its symptoms are not visible at all. Most of its symptoms may be related to urination and bladder problems. However, its other problems also need serious attention. Along with other symptoms of prostate cancer, you may often face the problem of weakness and fatigue. It is also important to know about other symptoms of this cancer. Blood in urine or semen - Blood in urine or semen in men can be a sign of prostate cancer. If this happens, do not ignore it and consult your doctor immediately. In case of prostate cancer, the tumor grows larger and starts putting pressure on the reproductive system and urethra. Due to this pressure from the tumor, the reproductive system may become blocked. This causes blood to appear in the urine or semen. Weight loss – If your weight is also decreasing without any apparent reason, then this problem needs serious attention. Weight loss can be a symptom of prostate cancer. In the severe stage of prostate cancer, there is a change in the way your body uses energy, due to which there may be a problem of weight loss. If your weight is also decreasing without any effort then it is important to pay serious attention to it.

Make proper use of the time from engagement to marriage, strengthen your relationship with your fiance in this way

Marriage is a special occasion in everyone's life. People have already thought about a lot about marriage and their life partner. In love marriage, the couple already knows their partner, hence they openly enjoy the time till marriage. Together they decide on wedding shopping, wedding planning etc. However, in an arranged marriage, from the beginning of the relationship till marriage, the boy and the girl are in that phase when they want to know about their partner. Not only this, they are also interested in knowing about the family to which they are related. If the couple is getting some time after engagement till marriage, then they should use this time in preparing for the marriage as well as strengthening their relationship with each other. Let us know what the bride and groom should do when they are getting time between engagement and marriage, so that the relationship can become stronger. Communicate: During the time between engagement and marriage, the couple must communicate. They should talk openly with each other and get answers to the questions and concerns they have. However, do not talk too much, rather give space to limited and important things in communication. Increase trust - The strength of any relationship depends on the trust between them. In such a situation, learn to trust each other even before marriage to strengthen your relationship with your fiance. Give time to each other and try to give place to trust in the relationship during the period of understanding and understanding. Increase trust not only between the couple but also with the partner's family. Prepare for the wedding together - Marriage is a big event for both the girl and the boy, which they start dreaming about since they are young. Girls seem more eager at the time of marriage. Everyone is excited about the shopping of bridal accessories, parlor, looks etc. but the boys are not able to express their enthusiasm. Before marriage, the couple should make preparations for the marriage together. Take care of both yourself and his/her preferences by knowing what your fiance's expectations are regarding the wedding, so that it becomes a memorable and happy occasion for the couple. Future Plans - If there is time between engagement and marriage, then make plans for your fiance. Make future plans together. After knowing what the couple thinks about future job, foreign travel and raising a family, decide together on your post-marriage plans.

If you want to have clean blood then take care of the health of this organ, these measures will help

For all the body parts to function properly, it is necessary for blood to circulate properly throughout the body. Organs continue to receive oxygen and nutrients through blood, however, due to some disturbances in diet and routine, the amount of wastes in the blood may increase. Due to this there is a risk of many serious health problems. Kidneys help filter the blood and remove wastes from the body. That means, if the blood is to be kept clean then it becomes necessary to keep the kidneys healthy. There are two kidneys in our body. It helps remove waste and excess fluids from the body, filtering the blood. Therefore, it is important that you keep taking measures to keep your kidneys healthy. Risk of kidney disease - Health experts say that many of our daily habits cause kidney diseases, which not only affects their functionality but also affects the blood. There is also a danger of increasing the amount of waste. For this, it is important to pay special attention to lifestyle and diet from an early age. Let us know what things are important to keep in mind to keep the kidneys healthy and the blood pure. Do not take antibiotics unnecessarily - Antibiotics are used to reduce the problems caused by bacterial infections. Used to be. However, unnecessary use of antibiotics has increased in the last few years, due to which the risk of antibiotic resistance has also increased. Excessive consumption of these bacteria fighting medicines can harm your kidneys. Use of antibiotics should be avoided without medical advice. It is very important to take care of diet - To keep the kidneys healthy, it is important that you take care of the quality of the diet. Kidneys process our food. Increase the amount of fruits and vegetables in the diet. Consuming excess fat, salt and sugar can also cause damage to the kidneys. Increase the intake of seasonal vegetables, fruits and whole grains and reduce the amount of processed foods. It is very important to have a proper diet to keep the kidneys healthy. Reduce salt intake - Excessive salt intake not only increases the problem of blood pressure but it can also put your kidneys at risk. At the same time, for those who already have kidney related problems, it can also increase the complications. It is also a serious risk factor for blood pressure and kidney stones. Keep the amount of salt in your diet low.

Every couple should do these four things as soon as they wake up in the morning, love will never diminish in the relationship.

Due to personal lifestyle and work, people now have less time for each other. This may be ignored in other relationships, but due to this, the distance between couples can increase. If you are unable to give time to your partner due to work, then the possibility of fights and separation increases. The love with which you started the relationship starts breaking due to your mistakes. It is difficult to find time in this busy life. In such a situation, you may not be able to spend the day with your partner or may not be able to talk for several days, but you can easily do four things with your partner every day. This will strengthen your relationship and the whole day will pass with love. To strengthen the relationship and maintain love, every couple should do these four things in the morning. Sweet smile in the morning - To start their day well, the couple should make a habit of wishing each other good morning as soon as they wake up. . When your partner wishes you a happy day by smiling at you as soon as you wake up, you will also feel good and the whole day will be spent in a fresh mood. Therefore, wish each other lovingly every morning. Have breakfast together - It is possible that due to work you are not able to talk to your partner the whole day and in the evening due to work fatigue you may not be able to talk to them properly. It is also possible that both of you may not be able to have lunch and dinner together, but morning breakfast will always keep you close to each other. If your partner always prepares breakfast, then sometimes you can surprise him/her by making morning tea or coffee. You can also spend some time standing in the kitchen together while preparing breakfast. Even a little time spent together never lets the love between the couple diminish. Praise your partner - Every person is happy to hear his praise. If your partner praises you, your love increases. You should praise your partner from time to time. In such a situation, they will feel that no matter how busy you are, you notice them. Apart from their looks, you can praise their work, personality, anything. Compliments start their day well and if your partner is in a good mood, it will have a good impact on your mood too. Start the morning with happiness - If your morning is in a good mood, then the whole day of you and your partner will be good. It will be great. Therefore, after a good night's sleep, forget the things of the past and start the new morning with fun. Tell jokes to make each other happy or laugh. This keeps your partner's mood good. He comes out of his workload or other stress and treats you well too.

'There is no actor who has not fallen', why did Emraan Hashmi say this about Tiger 3?

Emraan Hashmi, famous for his kissing art in Hindi cinema, is in the news for his recently released film 'Tiger 3'. This film of the actor is performing very well in theatres. The film is receiving positive response from both critics and fans. People are also praising Imran's villain

role in the film. In such a situation, now Emraan remembered the days of struggle in his career and told that he has got a new life with 'Tiger 3'. Emraan Hashmi told that he has got a new life with 'Tiger 3'. His performance as Aatish Rehman in the film has caught everyone's attention and for many he has also emerged as a good villain on screen for Tiger and Zoya's characters. Talking about his character in the film, Imran Said, “It was an interesting journey. I never thought that I would probably play a villain in the franchise because I have been following this franchise for the last many years. I always saw Salman Khan and Katrina Kaif playing powerful roles on screen. So I was very happy to be a part of the film." Imran further said, "It was quite a shocking phone call when they approached me for this role. When I heard the character, it was very interesting and I always wanted to work with both of them." Recalling his struggling days, Emraan said, "Everyone needs to understand that once you have done a film and given your best you don't know how people will react and there is no actor in the history of cinema who has not had a fall. Everyone needs to understand that things sometimes do not go well and sometimes , they will be and you will be back."

Banita Sandhu becomes a part of Adivi Shesh's espionage thriller Zee2, makers boost fans' excitement by announcing

The film 'Goodachari' entertained the audience a lot in 2018. Actor Adivi Shesh was in the lead role in this film. After the success of this Pan India film, the audience was eagerly waiting

for its second part. Its second part is going to be released in theaters soon. Now an important information has come to light regarding this film. Actor Adivi is in the news these days for the sequel of the film 'Goodachari', which is currently named 'G2'. Now an important information related to 'G2' is coming to light. Actually, Adivi is going to be paired with Banita Sandhu in the film. Talented actress Banita Sandhu, famous for her work in films like 'October' and 'Sardar Udham', has been selected for the lead role in the much-awaited project Z2. Shobhita Dhulipala played the lead female role in the franchise's first installment Goodachari. The makers shared an Instagram post to announce Banita's casting, captioning it, "Welcome the talented Banita Sandhu to the mission of #G2. Shooting to begin soon."G2 will be Banita's first pan India film . This film will be released in many languages. The actress expressed her excitement about the project, saying, "This is my first pan-India film and I am very excited to work with such a good team." He further said, "This is a role which I have never done before. In this film, the audience will see me in a completely new avatar. Working in this film will be a new experience for me." Let us tell you that the film 'Zee2' The story will pick up from where Goodachari left off, with Gopi aka Agent 116 facing the enemy in a snowy area. The first look of the espionage thriller saw Adivi Shesh in an action-packed avatar and was well received by fans.

Is Kareena Kapoor preparing to go to Hollywood after 'The Buckingham Murders'? The actress told the truth

Recently Kareena talked about her upcoming film and career. During this, she told whether she wants to move to Hollywood or not. After entering the world of OTT with 'Jaane Jaan', Kareena Kapoor is now in the news about her upcoming projects. Soon she will be seen in Rohit Shetty's film 'Singham Again' and the film 'The Buckingham Murders'. Let us tell you that 80 percent shooting of 'The Buckingham Murders' has been done in English and 20 percent shooting has been done in Hindi. Meanwhile, the news has started floating that Kareena Kapoor is preparing to debut in Hollywood. Kareena herself has exposed its truth.

No intention of going to Hollywood- Recently Kareena talked about her upcoming film and career. During this, she told whether she wants to move to Hollywood or not. In an interview, Kareena was asked whether 'The Buckingham Murders' is her next step towards Hollywood? On this the actress said, 'When Hansal Mehta approached me for this, I immediately became a part of it'. Debut as a producer - Bebo further said, 'This is something, which I had not done before. I am very excited about this project. I did not do this film with the intention of going to Hollywood. Let us tell you that 'The Buckingham Murders' is also special because through this, Kareena has also made her debut as a producer. In the film, she has strong actors like Ash Tandon, Ranveer Brar and Keith Allen. Bebo is excited about her character - 'The Buckingham Murders' has been directed by Hansal Mehta. Its story has been written by Aseem Arora, Kashyap Kapoor and Raghav Raj Kakkar. Balaji Telefilms and TBM Films have produced this film in association with Shobha Kapoor, Ekta Kapoor and Kareena. Regarding this, Kareena further said, 'I wanted to do something different as an artist, so I said yes to this film. The main reason was that I was extremely influenced by the series 'Mare of East Town'. Kareena's character in the film is inspired by Kate Winslet's role in 'Mare of East Town'. In this, Kareena will be seen in the role of a detective policewoman.

'The Batman' star Robert's house will soon be filled with laughter, Lady Love gave the good news in a funny way

Robert Pattinson, one of the famous stars of Hollywood films, is popular abroad as well as in India. His film 'Twilight' has left an indelible mark on the hearts of the audience, in which his acting has also made a place in the hearts of the people. Robert Pattinson, one of the famous stars of Hollywood films, is popular in India as well as abroad. His film 'Twilight' has left an indelible mark on the hearts of the audience, in which his acting has also made a place in the hearts of the people. At the same time, happiness is going to come to the house of 'Twilight' star Robert Pattinson. He and partner Suki Waterhouse are going to become parents soon. Sookie is pregnant. She herself revealed her pregnancy recently during the Corona Capital Festival in Mexico. A video is also going viral on social media, in which Suki Waterhouse's baby bump is visible. It is seen in the video that Suki stops for a while in the middle of the performance and then shows her outfit to the fans. Her baby bump is visible in that. In the video, she is seen saying, 'I thought I would wear something sparkling to distract you from what I am going through or what I have just got. Don't know whether it is working or not. Let us tell you that Robert Pattinson and Suki Waterhouse have been together for the last five years and now the news of pregnancy has really filled their hearts with happiness. Fans are also very excited. Before this official announcement, Suki Waterhouse had told in an interview with the media that Robert Pattinson and Suki Waterhouse are soon going to become parents of their first child. Suki is very happy and excited. For information, let us tell you that Suki Waterhouse and Robert Pattinson are neither engaged nor married. In 2020, a source told 'ET Online' that neither Robert nor Suki are in a hurry to get engaged and they are enjoying their time with each other. There is no pressure on each other for engagement